बील शतरंज महोत्सव का 57वां संस्करण आरंभ हो चुका है और इस बार फिर सबसे पहले सम्पन्न हुए 960 शतरंज में भारत के आर प्रज्ञानन्दा नें बेहतर टाईब्रेक के आधार पर पहला स्थान हासिल कर लिया है ।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:215 दिनांक:16-07-2024 मंगलवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मध्य प्रदेश के धार जिले में मध्यकालीन युग की संरचना 'भोजशाला' के 'वैज्ञानिक सर्वेक्षण' के खिलाफ याचिका को सूचीबद्ध करने पर विचार करने पर सहमति जताई।

16 महीनों के ऊपरी स्तर पर महंगाई

जून में थोक महंगाई 3.36 प्रतिशत पर पहुंची...जून में रिटेल महंगाई बढक़र 5.08 प्रतिशत पर पहुंच गई

आम जनता का खाना पीना हुआ महंगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। बढ़ती महंगाई के बीच आम जनता को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, जून महीने के लिए थोक महंगाई दर के आंकड़े जारी हो गए हैं। जून के महीने में खाने-पीने की चीजें महंगी होने की वजह से थोक महंगाई दर 16 महीने के हाई पर पहुंच गई है। थोक महंगाई दर पिछले महीने में 3 फीसदी के पार निकलकर 3.36 फीसदी पर आ गई है। इससे पहले मई महीने में ये 2.61 फीसदी पर रही थी। खाने-पीने के सामान की दर मुख्य रूप से बढ़ी है जिसका असर थोक महंगाई दर पर आया है। जून में खाद्य मंहगाई दर बढक़र 8.68 फीसदी पर आई है जो कि मई में 7.40 फीसदी पर थी। वहीं, मई में थोक महंगाई बढक़र 15 महीनों के ऊपरी स्तर 2.61 प्रतिशत पर थी। इससे पहले अप्रैल 2024 में महंगाई 1.26 प्रतिशत रही थी, जो 13 महीने का उच्चतम स्तर था। उधर, शुक्रवार को रिटेल महंगाई में भी तेजी देखने को मिली थी।

खाद्य महंगाई दर मई के मुकाबले 7.40 प्रतिशत से बढक़र 8.68 प्रतिशत हो गई। रोजाना की जरूरत वाले सामानों की महंगाई दर 7.20 प्रतिशत से बढक़र 8.80 प्रतिशत हो गई। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर 1.35 प्रतिशत से घटकर 1.03 प्रतिशत रही। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 0.78 प्रतिशत से बढक़र 1.43 प्रतिशत रही।

महंगाई का आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है, तो प्रोडयूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए थोक महंगाई को कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज डयूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। थोक महंगाई में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है। जून में रिटेल महंगाई बढक़र 5.08 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यह महंगाई का 4 महीने का उच्चतम स्तर है। अप्रैल में महंगाई 4.85 प्रतिशत रही थी। वहीं एक महीने पहले मई में महंगाई 4.75 प्रतिशत रही थी। नेशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस ने 12 जुलाई को ये आंकड़े जारी किए। खाने-पीने का सामान महंगा होने से महंगाई बढ़ी है। खाद्य महंगाई दर 8.69 से बढक़र 9.36 प्रतिशत हो गई है। वहीं शहरी महंगाई भी महीने-दर-महीने आधार पर 4.21 प्रतिशत से बढक़र 4.39 प्रतिशत पर आ गई है। ग्रामीण महंगाई दर भी 5.34 प्रतिशत से बढक़र 5.66 प्रतिशत पर पहुंच गई है।

लगातार बढ़ रही महंगाई

भारत में खाना-पीना महंगा हो रहा है। नवंबर 2023 के बाद से खाद्य महंगाई दर 8 फीसदी के ऊपर बनी हुई है। एक साल में ही ये लगभग तीन गुना बढ़ गई है। मई 2023 में 2.91 प्रतिशत थी, जो मई 2024 में बढक़र 8.69 प्रतिशत हो गई। पिछले साल कई इलाकों में सूखा पड़ा था और इस साल ज्यादातर राज्यों में गर्मी ने कहर बरपाया, जिस कारण दालें, सब्जियां और अनाज जैसी खाद्य पदार्थों की सप्लाई में काफी कमी आई। हालांकि, आमतौर पर गर्मियों में सब्जियों की सप्लाई कम हो जाती है, लेकिन इस बार कुछ ज्यादा ही कमी आई। उसकी वजह ये रही कि देश के ज्यादातर हिस्से में तापमान सामान्य से 4 से 9 डिग्री सेल्सियस तक ज्यादा रहा। चिलचिलाती गर्मी के कारण सब्जियां भी खराब हुईं और प्याज, टमाटर, बैंगन और पालक जैसी फसलों की बुआई में रुकावट आ रही है। आमतौर पर किसान मॉनसूनी बारिश से पहले सब्जियों की बुआई शुरू कर देते हैं, लेकिन इस साल गर्मी के कारण इस पर असर पड़ा है। इस कारण सब्जियों की कमी और बढ़ गई है। एक साल में सब्जियां और दालें ही सबसे ज्यादा महंगी हुई हैं। इस साल मई में सब्जियों की महंगाई दर 27.33 प्रतिशत और दालों की 17.14 प्रतिशत रही। एक साल पहले तक जितनी सब्जियां 161 रुपये में खरीद सकते थे, अब उतनी ही खरीदने के लिए 205 रुपये रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं।

ये है महंगाई बढऩे का कारण

जून में महंगाई दर बढऩे के पीछे खाद्य महंगाई दर और प्राइमरी आर्टिकल्स की महंगाई दर बढऩे की वजह मुख्य है। मैन्यूफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की महंगाई दर जो एक फीसदी से कम थी इस बार करीब डेढ़ फीसदी के पास जा पहुंची है।खाने-पीने के सामान की दर मुख्य रूप से बढ़ी है जिसका असर थोक महंगाई दर पर आया है। जून में खाद्य मंहगाई दर बढक़र 8.68 फीसदी पर आई है जो कि मई में 7.40 फीसदी पर थी।

कहां बढ़ी और कहां घटी थोक महंगाई दर

प्राइमरी आर्टिकल्स की महंगाई दर- प्राइमरी आर्टिकल्स की महंगाई दर जून में 8.80 फीसदी की दर से बढ़ी है जबकि इससे पिछले महीने ये 7.20 फीसदी पर रही थी।

फ्यूल एंड पावर सेगमेंट की मंहंगाई घटी- फ्यूल एंड पावर सेगमेंट की थोक महंगाई दर में हालांकि हल्की गिरावट आई है और ये जून में 1.35 फीसदी पर रही। मई 2024 में ये आंकड़ा 1.03 फीसदी डबल्यूपीआई का था।

मैन्यूफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर में भी इजाफा- मैन्यूफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की महंगाई भी बढ़ी है और ये जून में 1.43 फीसदी पर रही। मई 2024 में ये आंकड़ा 0.78 फीसदी पर रहा था।

अंडा, मांस-मछली की महंगाई में दिखी गिरावट- जून के महीने में अंडा, मांस-मछली जैसे खाने-पीने के सामान में गिरावट आई है और ये गिरकर शून्य से नीचे चली गई है। जून में अंडा, मांस-मछली की महंगाई दर -2.19 फीसदी रही। मई में ये 1.58 फीसदी पर रही थी।

वन नेशन, वन रेट.....पूरे देश में एक ही कीमत पर मिलेगा सोना

सितंबर 2024 में मोदी सरकार कर सकती हैं ऐलान

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के अलग-अलग शहरों में सोने और चांदी की कीमत भी अलग होती है। सोने और चांदी के रेट पर हर राज्य के अलग-अलग टैक्स के अलावा भी कई तरह की चीजें जुड़ती हैं। इसकारण राज्यों ने इन कीमती धातुओं के दाम भी अलग-अलग हो जाते हैं। हालांकि, अब देश में बड़ा बदलाव होने वाला है, जल्द पूरे देश में वन नेशन, वन रेट पॉलिसी लागू होने वाली है। इसके बाद आप देश में कहीं भी सोना खरीदें आपको रेट एक ही मिलेगा। ऐसा होने पर सोने के कारोबारियों और ज्वेलर्स को भी आसानी होगी। अच्छी बात यह हैं कि इस लागू करने के लिए देशभर के तमाम बड़े ज्वैलर्स भी सहमत हो गए हैं।

सोने की कीमतों को कंट्रोल करने के लिए आ रही वन नेशन, वन रेट पॉलिसी को जेम एंड ज्वैलरी काउंसिल (जीजेसी) ने भी समर्थन दिया है। इसका मकसद पूरे देश में सोने की एक समान कीमतें करना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सितंबर 2024 में होने वाली बैठक में आधिकारिक ऐलान हो सकता है। हालांकि, इस पॉलिसी को लागू करने के बाद आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए गोल्ड इंडस्ट्री नई योजना बना रही है।

मोदी सरकार इस योजना के तहत पूरे देश में सोने की कीमतें को बराबर करना चाहती है। ये पॉलिसी लागू होने के बाद आप दिल्ली, मुंबई, चेन्नई या कोलकाता जैसे मेट्रो शहर में हों या किसी छोटे शहर में सोना खरीदें आपको कीमत एक ही मिलेगी। इस पॉलिसी के तहत मोदी सरकार नेशनल बुलियन एक्सचेंज बनाएगी, जो सब जगह सोने की बराबर कीमतें तय करेगा।

यह पॉलिसी लागू होने से बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी। सोने की कीमतों में डिफरेंस होने की वजह से इसकी कीमतों में भी कमी आ सकती है। इसके अलावा अभी जो ज्वैलर्स सोना बेचने पर कई बार मनमानी कीमतें वसूलते हैं, उस पर भी लगाम लगेगी।

धार 'भोजशाला' के वैज्ञानिक सर्वेक्षण के खिलाफ याचिका दायर, सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार;एएसआई ने किया है चौंकाने वाला दावा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मध्य प्रदेश के धार जिले में मध्यकालीन युग की संरचना 'भोजशाला' के 'वैज्ञानिक सर्वेक्षण' के खिलाफ याचिका को सूचीबद्ध करने पर विचार करने पर सहमति जताई। इस भोजशाला पर हिंदू और मुसलमान पक्ष दोनों अपना दावा करते हैं। मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसाइटी ने शीर्ष अदालत में एक याचिका दायर की थी, जिसमें मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के 11 मार्च के आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें मंदिर का 'वैज्ञानिक सर्वेक्षण' करने का आदेश दिया गया था ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह किस समुदाय का है।

अपने 11 मार्च के आदेश में उच्च न्यायालय ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को छह सप्ताह के भीतर भोजशाला परिसर का सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया था। इसके बाद आज एएसआई ने कोर्ट ने 2 हजार पन्नों की रिपोर्ट कोर्ट को सौंपी, जिसमें कई खुलासे किए गए। ये बात सामने आई है कि खुदाई में कई मुर्तियां मिली हैं। न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और एसवीएन भट्टी की पीठ ने हिंदू याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए वकील विष्णु शंकर जैन द्वारा प्रस्तुत किए जाने के बाद मामले को सूचीबद्ध करने पर विचार करने पर सहमति व्यक्त की कि एएसआई ने पहले ही अपनी रिपोर्ट दायर कर दी है।

उन्होंने पीठ को यह भी बताया कि हिंदू पक्ष ने लंबित याचिका पर अपना जवाब दाखिल कर दिया है। 7 अप्रैल 2003 को एएसआई द्वारा तैयार की गई व्यवस्था के तहत हिंदू पक्ष मंगलवार को भोजशाला परिसर में पूजा करते हैं, जबकि मुस्लिम शुक्रवार को परिसर में नमाज अदा करते हैं। 1 अप्रैल को शीर्ष अदालत ने एएसआई द्वारा संरक्षित 11वीं सदी के स्मारक भोजशाला के वैज्ञानिक सर्वेक्षण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। हिंदू भोजशाला को वाग्देवी (देवी सरस्वती) को समर्पित मंदिर मानते हैं, जबकि मुस्लिम समुदाय इसे कमाल मौला मस्जिद कहते हैं।

जेल में बंद रहेंगे केजरीवाल, नहीं मिली जमानत

हाईकोर्ट में 7 अगस्त को अगली सुनवाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। शराब नीति केस में जेल में बंद अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई टल गई है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 7 अगस्त को होगी। तब तक केजरीवाल तिहाड़ जेल में ही बंद रहेंगे। दरअसल, 20 जून को राउज एवेन्यू कोर्ट ने केजरीवाल को जमानत दे दी थी। 21 जून को ईडी ने हाईकोर्ट में फैसले को चुनौती दी थी। 25 जून को इस पर सुनवाई हुई। ईडी ने तब हाईकोर्ट से कहा था कि ट्रायल कोर्ट ने हमारा पक्ष ठीक से नहीं सुना। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने कहा- सही ढंग से बहस नहीं हुई थी, इसलिए राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले को रद्द करते हैं।

कोर्ट ने कहा कि फैसले को देखकर ऐसा लगता है कि केजरीवाल को जमानत देते समय विवेक का इस्तेमाल नहीं किया। अदालत को ईडी को बहस करने के लिए पर्याप्त अवसर देना चाहिए था। दिल्ली ष्टरू केजरीवाल पर ईडी के अलावा सीबीआई का केस भी चल रहा है। शराब नीति में भ्रष्टाचार को लेकर सीबीआई ने उन्हें 26 जून को गिरफ्तार किया था। 12 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को ईडी के केस में अंतरिम जमानत दे दी थी, लेकिन मामला बड़ी बेंच को ट्रांसफर कर दिया था। इस पर सुनवाई की तारीख सामने नहीं आई है।

कंफर्म टिकट लेकर ही ट्रेन में चढ़ें, वेटिंग से यात्रा करने पर रेलवे वसूलेगा भारी जुर्माना

नई दिल्ली : ट्रेनों में इन दिनों बेतहाशा भीड़ है। अभी से ही छठ व दिवाली के दौरान किसी भी नियमित ट्रेनों में आरक्षित बर्थ खाली नहीं है। ऐसे में रेलवे ने अपने पुराने कानून को सख्ती से लागू कर रहा है।

ट्रेनों के आरक्षित कोच में सफर करने की हरी झंडी अब सिर्फ उसे ही मिलेगी, जिनके पास कन्फर्म टिकट होगा। टिकट चेकिंग नियमों को लेकर रेलवे अब सख्त हो गया है। वेटिंग टिकट पर सफर करने वाले मुसाफिरों की रिजर्व कोच में अब नो एंट्री हो गई है। अगर कोई ऐसा करता है तो उसे 250-440 रुपये के बीच जुर्माना देना पड़ेगा। साथ में अगले स्टेशन पर आरक्षित श्रेणी का कोच भी छोड़ना पड़ेगा। वहीं, अगर जनरल टिकट पर आरक्षित श्रेणी में कोई यात्रा करता है तो उसको ट्रेन शुरू होने से लेकर खत्म होने तक की दूरी का किराया और जुर्माना देना पड़ेगा। साथ में कोच भी छोड़ना पड़ेगा। रेल मंत्रालय की तरफ से हर जोन के रेलवे अधिकारियों को नियम-कायदे सख्ती से लागू करने के मौखिक आदेश दिए गए हैं।

ट्रेनों में इन दिनों बेतहाशा भीड़ है। अभी से ही छठ व दिवाली के दौरान किसी भी नियमित ट्रेनों में आरक्षित बर्थ खाली नहीं है। ऐसे में रेलवे ने अपने पुराने कानून को सख्ती से लागू कर रहा है। अब कई रूटों की ट्रेन में उसी यात्री को यात्रा करने की मंजूरी दी जा रही है, जिनके पास उस कोच में कन्फर्म टिकट है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यह कोई नया नियम नहीं है। यह पहले से रेलवे बोर्ड का सर्कुलर है। इतना जरूर है कि टिकट चेक करने की प्रक्रिया में सुधार किया जा रहा है ताकि वहीं यात्री सफर कर सके जिन्होंने पहले से आरक्षित बर्थ वाला कन्फर्म टिकट की बुकिंग की है।

शनिवार को पटना से नई दिल्ली आने वाली मगध एक्सप्रेस में इस तरह का मामला भी सामने आया। वेटिंग टिकट पर स्लीपर कोच में सवार यात्रियों को कोच से बाहर किया गया। साथ में उनसे 250 रुपये के करीब जुर्माना वसूला गया। जिनके पास वेटिंग टिकट नहीं था, उनसे 750 रुपया जुर्माना किया गया। मगध एक्सप्रेस से स्लीपर कोच संख्या-6 में सवार होकर नई दिल्ली स्टेशन पहुंचे यात्रियों का कहना था कि रेलवे पहले वेटिंग टिकट वालों को आरक्षित कोच से उतरने को मजबूर नहीं करता था। लेकिन अब सख्ती है। वेटिंग टिकट वाले यात्रियों से 250 रुपये जुर्माना भी वसूला गया और उतरने के लिए भी मजबूर किया गया। अब केवल कन्फर्म टिकट वालों को ही स्लीपर कोच में भी यात्रा करने की इजाजत है।

रेलवे अपने सभी विभागों में स्टाफ की कमी से जूझ रहा है। टीटीई के साथ ही आरपीएफ के भी कई पद खाली है। एक ही टीटीई कई कोच का निरीक्षण करता है। ऐसे में इस नियम को सभी ट्रेनों में सख्ती से पालन कराना फिलहाल मुश्किल हो रहा है। रेलवे सूत्रों की माने तो एक टीटीई पर कई कोच का निरीक्षण करने की जिम्मेदारी होती है। रेलवे पुलिस की कमी ट्रेनों में होती है। ऐसे में इस नियम को पालन कराने में परेशानी होती है। शरारती तत्वों से भी डर बना रहता है। सबसे ज्यादा दिक्कत पूर्वांचल दिशा की तरफ आने-जाने वाली ट्रेन में होना तय है। खासकर दुर्गापूजा, दिवाली और छठ पर्व के दौरान। क्योंकि इन दिनों भीड़ अधिक होती है।

पूर्व मंत्री हथियारों के जखीरे के साथ गिरफ्तार

पटना (ईएमएस)। बक्सर पुलिस ने बिहार के पूर्व मंत्री छेदी राम के हथियारों के साथ गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि पूर्व मंत्री के साथ चार अन्य लोग भी थे, जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने यह गिरफ्तारी राजपुर के बसंतपुर छावनी से किया है। पुलिस का कहना है कि पूर्व मंत्री छेदी राम की की गाड़ी से राइफल और गोलियों बरामद हुई है।

पुलिस का कहना है कि जांच और पूछताछ के दौरान यहं स्पष्ट हुआ है कि पूर्व मंत्री छेदी राम अपने साथियों के साथ विवादित जमीन पर कब्जा करने थे। बताया जा रहा है कि जमीन कब्जा करने के आरोप में गिरफ्तारी हुई है। पूर्व मंत्री छेदी राम अपने साथियों के साथ विवादित जमीन पर कब्जा करने बसंतपुर छावनी पहुंचे थे। ग्रामीणों ने इस बात की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम बसंतपुर छावनी पहुंची और पूर्व मंत्री के साथ साथ उनके चार सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया।

मनीष सिसोदिया को जमानत नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। शराब नीति केस में दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को एक बार फिर से जमानत नहीं एमिली। सोमवार को सीबीआई के मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सिसोदिया की ज्यूडिशियल कस्टडी 22 जुलाई तक बढ़ा दी है। सुनवाई के दौरान सिसोदिया और अन्य आरोपियों वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने सिसोदिया की ओर से पेश हुए एडवोकेट नितेश राणा की दलीलें सुनने के बाद मामले को 22 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया।

आईएएस पूजा खेडकर के पेरेंट्स फरार

पुणे (ईएमएस)। महाराष्ट्र के पुणे की ट्रेनी आईएएस ऑफिसर पूजा खेडकर के माता-पिता फरार हैं। पुलिस ने सोमवार को कहा कि उनसे संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने अपना फोन बंद कर दिया है। पुलिस ने कहा कि हम बानेर रोड पर स्थित उनके बंगले पर कल और आज दो बार गए थे, वे दोनों बार हमें नहीं मिले। एक बार जब हम उन्हें ढूंढ लेंगे, तो जांच बैठा दी जाएगी और कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी। दरअसल, पूजा की मां मनोरमा का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह पिस्तौल से किसानों को धमकाती हुई नजर आ रही थीं। घटना पुणे के मुलशी तालुका के धडावली गांव की है, जहां पूजा के पिता दिलीप खेडकर ने जमीन खरीदी थी। पूजा की मां और पिता पर इसी मामले में केस दर्ज है।

24 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट, कुछ दिन और दिल्ली समेत इन क्षेत्रों को झेलनी पड़ेगी गर्मी

नई दिल्ली :मानसून की अक्षय रेखा समुद्र तल से गंगानगर, हिसार, दिल्ली, बाराबंकी, देहरी, आसनसोल और फिर दक्षिण-पूर्व की ओर बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पूर्व में जा रही है।

देश के अधिकांश राज्यों में मानसून एक्टिव हो गया है। महाराष्ट्र में कई जगह तेज बरसात से जलजमाव हो गया, तो बिहार और उत्तर प्रदेश के भी कई शहरों में बाढ़ जैसे हालत बन गए हैं। हालांकि उत्तराखंड में बारिश में थोड़ी कमी आई है। पहले के मुकाबले असम में भी हालात काबू हैं। इसी बीच मौसम विभाग ने कई राज्यों में फिर तेज बारिश का अनुमान जताया है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले पांच दिनों तक केरल, गोवा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, एमपी, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, छत्तीसगढ़, उप हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा के अलावा तमिलनाडु के कई क्षेत्रों में भारी बारिश देखने को हो सकती है।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मानसून का डेढ़ माह निकल गया है। इस दौरान कई राज्यों में अच्छी बारिश हुई तो कुछ राज्यों में छिटपुट बारिश हुई। मानसून के लिहाज से जुलाई के शुरुआती दिन अच्छे रहे हैं। लेकिन उत्तर भारत से लेकर उत्तर पश्चिम भारत और पूर्वी भारत में कुछ दिन अब बारिश थम जाएगी। 17 जुलाई को पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड, जम्मू, हिमाचल प्रदेश में धूप निकलेगी और तापमान भी बढ़ेगा।

इधर, विज्ञान विभाग ने आने वाले पांच दिनों के दौरान पूर्वी राजस्थान, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर मिजोरम और त्रिपुरा में तेज हवाएं चलने का अनुमान लगाया है। वहीं पश्चिमी राजस्थान में आंधी और वज्रपात के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है।

बैंक का सर्वर हैक कर 16 करोड़ उड़ाए

नोएडा (ईएमएस)। नोएडा में नैनीताल बैंक का सर्वर हैक कर ठगों ने 16 करोड़ से ज्यादा ट्रांसफर कर लिए। बैलेंस शीट का सही मिलान न होने पर बैंक कर्मचारियों के होश उड़ गए। ढ्ढञ्ज मैनेजर ने साइबर क्राइम थाने में एफआईआर दर्ज कराई। जांच हुई तो सामने आया कि ठगों ने बैंक के रियल टाइम ग्रंस सेटलमेंट चैनल को ही हैक कर लिया था। बैंक से 5 दिनों में 1, 2 बार नहीं, बल्कि 84 बार ट्रांजेक्शन किया, लेकिन कर्मचारियों को भनक तक नहीं लगी। अब बैंक फ्रॉड खातों को सीज करने की तैयारी में है।

बाढ़ से प्रभावित असम, उत्तर प्रदेश और गुजरात के सीएम से केंद्रीय मंत्री शाह की बात

-केंद्र से हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को असम, उत्तर प्रदेश और गुजरात के मुख्यमंत्रियों से बात कर तीनों राज्यों में बाढ़ और भारी बारिश के कारण उपजी स्थिति का जायजा लेकर केंद्र से हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया। सूत्रों ने बताया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से बातचीत में केंद्रीय मंत्री शाह ने राज्य में बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी ली। सीएम शर्मा ने शाह को मौजूदा स्थिति और अब तक उठाए गए कदमों से अवगत कराया।

वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से फोन पर हुई बातचीत में केंद्रीय गृह मंत्री ने दोनों राज्यों में भारी बारिश के बाद नदियों में बढ़ते जलस्तर के कारण उपजी स्थिति का जायजा लिया। सूत्रों के अनुसार, शाह ने तीनों मुख्यमंत्रियों को स्थिति से निपटने के लिए केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव मदद मुहैया कराने का आश्वासन दिया।

नीट की सभी याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट होंगी ट्रांसफर

एनटीए की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया नोटिस, अगली सुनवाई 18 जुलाई को

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट में नीट मामले पर सोमवार को सुनवाई हुई। सीजेआई चंद्रचूड़ की बेंच ने देश के सभी हाईकोर्ट में एनटीए के खिलाफ दायर हुई याचिकाओं को ट्रांसफर करने के लिए नोटिस जारी कर दिया है। दरअसल, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने सुप्रीम कोर्ट में नई याचिकाएं दायर की थीं।

इनमें एजेंसी ने देश के सभी हाईकोर्ट में लगी याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर किए जाने की मांग की थी। इस मामले की सुनवाई की सीजेआई चंद्रचूड़, जस्टिस पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की डिवीजन बेंच ने की।

इससे पहले 20 जून को एनटीए की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता, बॉम्बे और जोधपुर हाईकोर्ट में एजेंसी के खिलाफ दायर हुई याचिकाओं की सुनवाई पर रोक लगाई थी। ये याचिकाएं एग्जाम में ग्रेस मार्क्स के खिलाफ दायर की गई थीं। इसके बाद एनटीए ने बची हुई याचिकाओं को ट्रांसफर किए जाने की अपील की। ये याचिकाएं एग्जाम कैंसिल किए जाने से जुड़ी हैं। वहीं, सुप्रीम कोर्ट में नीट पेपर लीक और एग्जाम कैंसिल किए जाने की याचिकाओं पर अगली सुनवाई 18 जुलाई को होगी।

धन विधेयक के सहारे कानून बनाने के खिलाफ याचिका, सीजेआई बोले- संविधान पीठ गठित होगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। आधार अधिनियम जैसे कानूनों को धन विधेयक के रूप में पारित करने की वैधता को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की गई हैं। अब सुप्रीम कोर्ट इन याचिकाओं पर सुनवाई के लिए एक पीठ गठित करने पर विचार कर रहा है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ से अपील करते हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि याचिकाओं की सूचीबद्ध करने की जरूरत है ताकि उन पर सुनवाई हो सके।

याचिकाओं में सरकार पर लगाए गए आरोप

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि जब मैं संविधान पीठों का गठन करूंगा, तब इस पर फैसला लूंगा। दरअसल धन विधेयक को लेकर विवाद तब उठा जब सरकार ने आधार अधिनियम और धन शोधन निवारण अधिनियम में कई संशोधनों को धन विधेयक के रूप में पेश किया था। इसके चलते इन विधेयकों को राज्यसभा में पेश नहीं किया गया, जहां सरकार के पास बहुमत नहीं था। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की गईं। याचिकाओं में आरोप लगाया गया है कि सरकार ने राज्यसभा को दरकिनार करने के लिए ही कानूनों को धन विधेयक के रूप में पारित कराया। सुप्रीम कोर्ट ने पीएमएलए कानून की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा था, लेकिन इसने इस मुद्दे को खुला रखा कि क्या पीएमएलए में संशोधन को धन विधेयक के रूप में पारित किया जा सकता है। इस सवाल पर सात न्यायाधीशों की पीठ द्वारा विचार किया जाना था। सात जजों की पीठ पहले से ही धन विधेयक को परिभाषित करने के संवैधानिक प्रश्न और किसी विधेयक को धन विधेयक के रूप में प्रमाणित करने के लोकसभा स्पीकर के फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के अधिकार क्षेत्र के दायरे पर विचार कर रही है।

क्या होता है धन विधेयक

गौरतलब है कि धन विधेयक एक ऐसा विशेष विधेयक है, जिसे केवल लोकसभा में ही पेश किया जा सकता है। और राज्यसभा उसमें संशोधन या अस्वीकृति नहीं कर सकती। उच्च सदन सिर्फ सिफारिशें कर सकता है और लोकसभा द्वारा उन सिफारिशों को माना भी जा सकता है और नहीं भी। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 110 के तहत परिभाषित मनी बिल, टैक्स, सार्वजनिक खर्च आदि जैसे वित्तीय मामलों से संबंधित है। राज्यसभा इस विधेयक में संशोधन या अस्वीकृति नहीं कर सकती।

ये लो.....पूजा के सर्टिफिकेट्स को लेकर सच्चाई आ गई सामने

पुणे (ईएमएस)। महाराष्ट्र कैडर की ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर इन दिनों सुर्खियों में है। पूजा पर लगातार शिकंजा कसता जा रहा है। अब पूजा के सर्टिफिकेट का सच भी सामने आ गया है। श्रीमती काशीबाई नवले मेडिकल कॉलेज और जनरल अस्पताल के निदेशक ने पूजा के सर्टिफिकेट्स को लेकर सच्चाई जाहिर की है। निदेशक अरविंद भोरे ने बताया की पूजा ने 2007 में प्रवेश लिया था। उन्हें सीईटी के माध्यम से प्रवेश मिला था, जहां उन्होंने आरक्षण के कुछ प्रमाण पत्र दिए थे। उन्होंने जाति प्रमाण पत्र, जाति वैधता और गैर-क्रीमी लेयर प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया था। उन्होंने मेडिकल फिटनेस का प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत किया था, जिसमें किसी विकलांगता का उल्लेख नहीं है।

पूजा पर आरोप है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा में चुने जाने के लिए दिव्यांगता और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) कोटा का कथित तौर पर दुरुपयोग किया था। वहीं पूजा के पिता ने बेटी का बचाव कर कहा कि उन्होंने कुछ भी गैरकानूनी नहीं किया है। बता दें कि पूजा के पिता दिलीप खेडकर ने लोकसभा चुनाव लड़ा था और उन्होंने अपने चुनावी हलफनामे में 40 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की थी।

इसके पहले अहमदनगर जिला सिविल अस्पताल के अधिकारियों ने पुष्टि की थी कि अस्पताल ने प्रोबेशनरी आईएएस अधिकारी पूजा को दो बार विकलांगता प्रमाण पत्र जारी किया था। अस्पताल ने कहा कि उन्हें एक बार 2018 में और फिर 2021 में यह प्रमाणपत्र इश्यू किया गया। प्रमाण पत्र दो अलग-अलग समितियों ने जारी किए। जिला सिविल सर्जन डॉ. संजय घोगरे ने बताया था कि एक समिति ने 25 अप्रैल, 2018 को कम दृष्टि के लिए खेडकर को पहला विकलांगता प्रमाण पत्र जारी किया था। दूसरी ने 19 जनवरी, 2021 को कई विकलांगताओं के लिए दूसरा प्रमाण पत्र जारी किया था।

राज्यसभा में भाजपा का दबदबा हुआ कम, अब कैसे पास करवाएगी बिल

नई दिल्ली(ईएमएस)। केवल लोकसभा में ही नहीं, राज्यसभा में भी भाजपा और एनडीए का संख्या बल कम हुआ है। राज्यसभा में बीजेपी के चार मनोनीत सदस्य शनिवार को रिटायर हो गए। इसके साथ ही उच्च सदन यानी राज्यसभा में बीजेपी की ताकत घटकर 86 और एनडीए की 101 रह गई है। 19 सीटें खाली होने की वजह से राज्यसभा में फिलहाल सदस्यों की संख्या 226 हैं। इसका जवाब है कि भाजपा अब भी मजबूत स्थिति में है। नंबर गेम में अब भी वह आगे ही है। एनडीए के पास अब भी सात गैर-राजनीतिक मनोनीत सदस्यों, 2 निर्दलीय और एआईडीएमके और वाईएसआरसीपी जैसे दोस्ताना दलों के समर्थन से आगामी बजट सत्र में अहम कानून पारित करवाने की संख्या है। मगर दूसरों पर निर्भरता कम करने के लिए मनोनीत कैटेगरी के तहत जल्द से जल्द रिक्त पदों को भरना अहम होगा।

खबर के मुताबिक, राज्यसभा सांसद राकेश सिन्हा, राम शकल, सोनल मानसिंह और महेश जेठमलानी चार मनोनीत सदस्य

जन हितैषी

वन नेशन वन गोल्ड रेट

भारत के किसी भी हिस्से में एक ही दाम में सोना खरीद और बेच सकेंगे। इसके लिए ज्वेलर्स काउंसिल वन नेशन वन गोल्ड रेट की नीति लागू करने जा रही है। अभी देश के सभी शहरों में अलग-अलग दामों पर सोना बिकता है। एक स्थान से दूसरे स्थान पर प्रति 10 ग्राम 1500 से 2000 रुपए सोने के भाव में अंतर होता है। सोने की बिक्री बढ़ाने के लिए देशभर के सभी ज्वेलर्स ने सोने की कीमतों को लेकर एक राय बना ली है। सभी ज्वेलर्स भारत में वन नेशन वन रेट की नीति अपनाने को राजी हो गए हैं। देश के सभी हिस्सों में सोने की कीमत एक समान होगी। जेम्स एंड ज्वेलरी काउंसिल (जीजेसी) की सितंबर माह की बैठक में इसकी आधिकारिक घोषणा हो जाए, इसके लिए काउंसिल द्वारा तैयारी की जा रही है। देश भर के सभी ज्वेलर्स में आम राय बन गई है। उनका मानना है, कि इससे सोने के कारोबार और निवेश में पारदर्शिता बढ़ेगी। ग्राहकों का विश्वास बढ़ेगा। सभी ग्राहकों को देश के किसी भी हिस्से में हों, समान दर पर सोना मिलेगा। बाजार में खरीद-बिक्री तेजी के साथ बढ़ेगी। ज्वेलर सोने की मनमानी कीमत वसूल नहीं कर पाएंगे। ग्राहकों को इसका बड़ा फायदा होगा। जेम्स एवं ज्वेलर्स काउंसिल इसके लिए नीति बना रही है। भाव किस तरह से खुलें, देशभर में सभी लोगों को इसका पता हो। ज्वेलर और ग्राहक के बीच में सोने के रेट को लेकर शक और सुबहा की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी। जेम्स एंड ज्वेलरी काउंसिल का यह निर्णय, निश्चित रूप से एक सराहनीय कदम है। निश्चित रूप से सोने का कारोबार बढ़ने से इसका फायदा ज्वेलर्स को होगा। आभूषण के मामले में बनवाई अभी अलग से ली जाती है। आभूषण की डिजाइन और कारीगरी को लेकर बनवाई के रेट अलग तय होते हैं। इस समय 24 कैरेट का सोना खरीदने का बाजार बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है। इसमें शुद्धता की गारंटी होती है।

वर्तमान में सोने को लेकर देश और दुनियां के लोगों में जिस तरह की चाह देखी जा रही है, उसे लेकर तो कवि बिहारी पहले ही कह चुके हैं, कि कनक, कनक ते सौ गुनी, मादकता अधिकाय। उही खाए बौराय नर, इही पाए बौराय।। अर्थात् अधिक सोना आ जाने से मनुष्य पागल जैसा हो जाता है, वैसे ही जैसे कि धतुरा अधिक खा लेने से व्यक्ति बौरा जाता है। यही वजह है कि सोना और उसकी कीमतों को साधने का कार्य हर काल में हुआ है। इस पर काबू पाना उतना ही कठिन प्रतीत होता है, जितना कि धतूरा खाने के बाद व्यक्ति को नशा न आए या वह अपनी मानसिक स्थिति को दुरुस्त रख सके। वैसे सोने के भाव को लेकर जो बात हो रही है, यदि वह संभव हो जाती है तो उपभोक्ता को इस बात का तो फायदा होगा ही कि वह जहां से चाहेगा सोना खरीद सकेगा और जहां चाहेगा सोना बेच सकेगा, क्योंकि सभी जगहों पर एक ही भाव उसे मिलेंगे और उसे एक ही कीमत पर सोना खरीदना आसान होगा। भारत के किसी भी राज्य में एक ही दाम में सोना खरीदा और बेचा जा सकेगा। इसके लिए जेम एंड ज्वैलरी काउंसिल ने समर्थन दे दिया है और देश में सोने के समान भाव वाली नीति वन नेशन वन गोल्ड रेट लागू होने में कोई अवरोध भी नजर नहीं आ रहा है। इसके बाद हाथों-हाथ सोना खरीदा जा सकता है, और हाथों-हाथ बेचा जा सकता है। इससे न सिर्फ सोने के जेवर खरीदी होगी, बल्कि सोने के सिक्के आदि की भी मांग बढ़ेगी। निवेशक भी इस ओर रुख करेंगे। जो उपभोक्ता सोने में निवेश करना चाहता है, इस फैसले से उसे राहत मिलेगी। इससे सोने का कारोबार बड़ी तेजी के साथ बढ़ेगा। इससे सोने के व्यापार में प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी। समय की यह मांग भी थी। कारोबार बढ़ने से ज्वेलर्स का मुनाफा भी बढ़ेगा। एक तरह से यह निर्णय भविष्य में सभी के लिए बेहतर साबित होगा।

रूस और ऑस्ट्रिया की यात्राओं से भारत की नई उड़ान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया की यात्रा के निष्कर्षों के साथ-साथ इसके वैश्विक निहितार्थ भी तलाशे जा रहे हैं। इन दोनों देशों की राजकीय यात्रा अनेक दृष्टियों से नई उम्मीदों को पंख लगाने के साथ भारत को शक्तिशाली बनाने वाली होगी। दोनों देशों की यात्रा के दौरान हुए विभिन्न समझौते भारत की तकनीकी एवं सामरिक जरूरतों को पूरा करने में अहम कदम साबित होंगे। सैन्य उत्पाद, व्यापार व उद्योग के साथ-साथ प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रूस और ऑस्ट्रिया के साथ द्विपक्षीय सहयोग ने नई उम्मीदें जगाई हैं। इन यात्राओं के दौरान प्रधानमंत्री ने जो प्रयास किए वे मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भरता के प्रयास, नये भारत-सशक्त भारत एवं सतत विकास की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होंगे। निश्चित ही प्रधानमंत्री मोदी के प्रति इन दोनों देशों में जो सम्मानभावना देखने को मिली, उससे यही कहा जा सकता है कि मोदी विश्व-नेता के रूप में स्वतंत्र पहचान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त कर रहे हैं, जो भारत के लिये शुभ है।

निश्चित तौर पर वैश्विक राजनीति में अपनी चमक के साथ आगे बढ़ते भारत के लिये रूस की यात्रा कई मायनों में बहुत उपयोगी एवं दूरगामी रही। इस यात्रा के दौरान भारत और रूस के बीच हुई 22वीं द्विपक्षीय बैठक में हुए नए समझौते काफी अहम हैं। रूस के युद्ध में फंसे होने के कारण रक्षा जरूरतों से संबंधित आपूर्ति में बाधा होना हमारे लिए चिंता की बात थी लेकिन मेक इन इंडिया के तहत भारत में ही रक्षा उपकरणों के स्पेयर पार्ट्स का प्लांट लगाने पर सहमति जताकर पुतिन ने बड़ी चिंता का समाधान कर दिया है। दोनों देशों के बीच का व्यापार 2030 तक 65 अरब डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक करने पर भी सहमति बनी है। यह भारत-रूस के विशेष रिश्ते को और मजबूत करने वाले होंगे। भारत-रूस की दोस्ती की गर्माहट से चीन एवं पाकिस्तान की बौखलाहट भी देखने को मिली है।

यूक्रेन और गाजा में युद्धों की पृष्ठभूमि के बीच प्रधानमंत्री मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया की यात्रा पर दुनिया की नजरे लगी रही। एक धुरवीय विश्व व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश कर रहे अमरीका और बहुधुरवीय विश्व व्यवस्था में अपना हित देख रहे रूस के बीच भारत की स्थिति एवं उसकी बढ़ती ताकत का भी विश्लेषण किया जा रहा है। मास्को में प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के गले मिलने पर यूक्रेन की नाराजगी के बावजूद अमरीका की सधी प्रतिक्रिया सामने आयी कि इससे उसके भारत से रिश्तों पर कोई असर नहीं होगा। निश्चित ही इससे यह साफ हो जाता है कि दुनिया अब एक या दो धुरवीय नहीं रही। अमेरीका यह जान रहा है कि चीन के तानाशाही भरे रवैये से निपटने के लिए भारत का साथ आवश्यक है। वास्तव में इस आवश्यकता ने भी अमेरीका में भारत की अहमियत बढ़ाने का काम किया है। यह अहमियत यही बता रही है कि अब भारत का समय आ गया है। वास्तव में आज अमेरीका ही नहीं, विश्व का हर प्रमुख देश भारत को अपने साथ रखना आवश्यक समझ रहा है। कहना न होगा कि वैश्विक मंच पर योग का विषय हो, या अहिंसा का या फिर आतंकवाद से निपटने का, जलवायु परिवर्तन का मसला हो या फिर जी-20 देशों की अध्यक्षता की बात, भारत, दुनिया को नई दिशा दे रहा है, नई उम्मीदें जगा रहा है।

एक नई ताकत एवं सशक्त अर्थ-व्यवस्था के साथ एक नया ध्रुव बनकर उभर रहा भारत समूची दुनिया की नजरों का ताज बना हुआ है। भारत अब बिना किसी दबाव के किसी भी अन्य ताकतवर देश की नाराजगी मोल लेने का हौसला रखता है। शीतयुद्ध के दौर में दो धुरवीय विश्व व्यवस्था के बाद एक धुवीय व्यवस्था का अनुभव दुनिया को मिल चुका है। अब बहुधुरवीय विश्व व्यवस्था में ही संभावनाएं देखी जा रही हैं। ग्लोबल साउथ की आवाज बन भारत वैश्विक भूमिका को खुलकर प्रदर्शित भी कर रहा है। वैसे भी भारत एक बड़े देश के पाले में कभी नहीं रहा। अनेक संकटों से घिरा होकर भी भारत अपनी बात बुलन्दी के साथ दुनिया के सामने रखता रहा है, नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री के तीनों कार्यकाल में भारत ने अपने शक्तिशाली होने का भान कराया है।

भारत की रूस से दोस्ती तो बहुत पुरानी है, लेकिन अमरीका, ऑस्ट्रिया या अन्य नए देशों से दोस्ती का यह मतलब नहीं है कि अपने पुराने साथियों से दूर हो जाएं। इजरायल और फिलिस्तीन के मामले में भी यह देखा जा सकता है। इजरायल से नई दोस्ती के बावजूद फिलिस्तीन पर हमारी रणनीति नहीं बदली है। उसी तरह रूस से अच्छे संबंध का यह मतलब नहीं कि यूक्रेन के मामले में उसे क्लीन चिट दे दें। यही वजह है कि राष्ट्रपति पुतिन को मोदी ने शांति का पाठ पढ़ाने में कोई हिचक नहीं दिखाई। भारत की इस भूमिका के बीच अब अमरीका भी यह कहने में संकोच नहीं कर रहा है कि भारत को यूक्रेन युद्ध रोकने की पहल करनी चाहिए। फिलहाल शांति के पक्षधर अन्य देश भारत के साथ मिलकर रास्ता खोजने की पहल कर रहे हैं। ऑस्ट्रिया का रूस और यूक्रेन के बीच संभावित समझौता वार्ता का मंच बनने की इच्छा जाहिर करना यही बताता है।

भारत अहिंसा एवं शांति का हिमायती का देश है और मानता है कि युद्ध से किसी भी समस्या का हल नहीं हो सकता। युद्ध केवल बर्बादी और तबाही लेकर ही आता है। रूस व यूक्रेन के बीच जो सीमा विवाद है वह इन देशों के बीच का मामला है और भारत शुरू से ही कहता रहा है कि इस समस्या का हल केवल बातचीत से ही होना चाहिए। श्री मोदी ने रूस की यात्रा के दौरान भी भारत का यही रुख सामने रखा और स्पष्ट किया कि किसी भी झगड़े को निपटाने का रास्ता केवल वार्तालाप ही हो सकता है। श्री मोदी ने रूस से आस्ट्रिया पहुंच कर भी इस रुख को और खोला और कहा कि भोले-भाले लोगों की हत्या कभी भी स्वीकार्य नहीं हो सकती। इजराइल-फिलिस्तीन युद्ध के सन्दर्भ में इस तथ्य को अमेरिका को ही सबसे पहले समझना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा से क्या चीन की बढ़ती महत्त्वाकांक्षाओं पर असर पडेगा? क्योंकि रूस एवं चीन के बीच बढ़ती मित्रता एवं प्रगाढ़ता समूची दुनिया के लिये एक चिन्ता का सबब है। भले ही अमरीका की ताकत को देखते हुए रूस ने चीन से निकटता बनाई हो, लेकिन भारत से उसकी दोस्ती इन सबसे ऊपर है। फिर भी चीन एवं पाकिस्तान भारत के दुश्मन ही रहे हैं। इन हालातों के बीच मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया यात्रा भारत के भाग्य के लिए नये सूर्य का उदय कही जा सकती है। प्रधानमंत्री मोदी की जितनी महत्वपूर्ण यात्रा रूस की रही, उतनी ही महत्वपूर्ण ऑस्ट्रिया की यात्रा भी रही। मोदी ने पाकिस्तान के साथ चीन को भी निशाने पर लेते हुए पुतिन से कहा कि चीन जहां पाकिस्तान के आतंकवाद को सहयोग-समर्थन और संरक्षण देने से बाज नहीं आ रहा है, वहीं चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों के चलते एशिया ही नहीं, पूरे विश्व के लिए खतरा बन गया है। अब मोदी की इन बातों का पुतिन पर क्या असर होगा, यह भविष्य के गर्भ में है।

जहां तक रूस से मित्रता का सवाल है तो यह भारत का परखा हुआ सच्चा मित्र है और भारत यह दोस्ती कभी नहीं छोड़ सकता। पिछले दो दशकों में हमारे सम्बन्ध अमेरिका से भी मधुर हुए हैं परन्तु हमारी विदेश नीति पूरी तरह स्वतन्त्र है और दुनिया का कोई भी देश इसे प्रभावित नहीं कर सकता। भारत के द्विपक्षीय सम्बन्ध किस देश के साथ कैसे हैं यह केवल भारत ही तय करेगा। अमेरिका हमें रूस-यूक्रेन के बारे में क्या समझायेगा? भारत पर दुनिया का बढ़ता भरोसा इस बात का परिचायक है कि भारत विश्व की एक महाबड़ी शक्ति बनने की राह पर अग्रसर है और भारत शांति एवं अयुद्ध का हिमायती है। हम तो पहले ही यह कह चुके हैं कि भारत बुद्ध-महावीर-गांधी का देश है और इसकी विदेश नीति भी इनसे प्रेरणा लेकर ही तय होती रही है। बदलते वैश्विक सन्दर्भों के बावजूद भारत आपसी शान्ति, अहिंसा, युद्धमुक्त विश्व-संरचना व सह अस्तित्व पर ही विश्वास रखता है। दुनिया की महाशक्तियों द्वारा भारत को तवज्जो देने के पीछे जिन वजहों को देखा जा रहा है, उनमें व्यापारिक प्रगति के साथ शांति एवं अमन-चैन की दुनिया बनाना भी मुख्य है। निश्चित ही मोदी की रूस और ऑस्ट्रिया यात्रा भारत के लिये 'सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण घटना' एवं 'परिवर्तनकारी क्षण' साबित होगा।(लेखक- ललित गर्ग/ईएमएस)

क्या शंकराचार्य अपनी मर्यादाओं को भूल गए?

आज की पोस्ट पर मुझे एक हजार एक आलोचनाओं का प्रसाद मिलेगा,क्योंकि मै सनातन धर्म के ध्वजवाहक शंकराचार्यों की भूमिका पर ऊँगली उठाने का दुस्साहस कर रहा हूँ। दुनिया में ईसाईयों और बौद्धों के पास एक-एक धर्म गुरु पोप और दलाई लामा हैं लेकिन हम सनातनियों के पास एक के बजाय चार-चार धर्मगुरु हैं। लेकिन इन धर्मगुरुओं ने देश और दुनिया के शीर्ष धनकुबेर मुकेश अम्बानी के बेटे अनंत के विवाह आशीर्वाद समारोह में अपनी हाजरी लगाकर अपनी भूमिका पर खुद ही प्रश्नचिन्ह लगा लिए हैं।

हमारे यहां परम्परा है कि हम सनातनी अपने धर्मगुरुओं से आशीर्वाद लेने उनके मठों में जाते हैं ,लेकिन हमारे चार में से तीन शंकराचार्यों ने अपने मठों को ही अम्बानी के यहां ले जाकर एक अभिनव प्रयोग किया है। इस सुकृत्य के लिए इन शंकराचार्यों को अम्बानी परिवार की और से कितनी विदाई दक्षिणा मिली ,कोई नहीं जानता । जान भी नहीं सकता,क्योंकि ये जानने के लिए हम या आप सूचना के अधिकार का इस्तेमाल नहीं कर सकते। हमारे एक सुधि मित्र साकेत साहू कहते हैं की विष्णुधर्म सूत्र ड63 /26 .कहता है कि सन्यासी को विवाह में नहीं जाना चाहिए इससे वह मोह-विछोह से पीड़ित हो सकता है। दक्ष स्मृति ड7/34/28.कहती है कि सन्यासी को लोक व्यवहार नहीं करना चाहिए ऐसा करने पर वह धर्मच्युत हो जाता है और लोकवार्ता करने लगता है।मुझे विश्वास है कि हमारे शंकराचार्यों ने ये सब कुछ पढ़ रखा होगा।

मेरे मन में अपने धर्म गुरुओं के प्रति सीमित सम्मान है ,क्योंकि मुझे लगता है कि धर्म गुरुओं की भूमिका में कमी की वजह से ही हमारा सनातन धर्म विश्व्यापी नहीं बन पाया जबकि सनातन की कोख से ही जन्म बौद्ध धर्म कहाँ से कहाँ पहुँच गया । ईसाई और इस्लाम धर्म का विस्तार भी विश्वव्यापी है। हमारे धर्म गुरु न पोप की तरह आचरण कर पाते हैं और न धर्म की स्थापना और उसके लोकव्यापीकरण के बारे में ज्यादा मेहनत करते हैं। उनकी बौद्धिकता ही उन्हें खाये जाती है।

वे अपने बौद्धिक अहंकार से ठीक उसी तरह ग्रस्त हैं जैसे कि हमारे देश के तमाम नेता सत्ता मद के अहंकार से ग्रस्त हैं।शंकरचर्यों से तो डॉ मोहन भागवत भी अहंकार छोड़ने के लिए नहीं कह सकते। देश के शंकराचार्य अम्बानी के यहां हाजिरी लगाने से पहले अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की मूर्ती की प्राण -प्रतिष्ठा समारोह के समय भी चर्चा में आये थे । हमारे शंकराचार्यों ने प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को शास्त्रोक्त न मानते हुए उस समारोह का अघोषित बहिष्कार किया था।

शंकराचार्यों के प्रति हमारे सनातनियों में पोप जैसी प्रतिष्ठा नहीं है ,क्योंकि वे यदाकदा अपनी मर्यादाओं के बाहर जाकर आचरण कर दिखाते हैं। मेरे मन में शंकराचार्यों की बौद्धिकता का आतंक हमेशा रहता है । बहुत कम ऐसे शंकराचार्य हुए हैं जो सहज सम्मानित हुए है। मुझे एक बार काँची कामकोटि के शंकराचार्य की पत्रकार वार्ता से सिर्फ इसलिए बाहर जाना पड़ा था क्योंकि मैंने उनसे एक ऐसा प्रश्न पूछ लिया था जो अनपेक्षित था। उनका आचरण ठीक वैसा ही था जैसा आज के भग्यविधाताओं का होता है। बद्रिकाश्रम पीठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती इकलौते ऐसे शंकराचार्य थे जो प्रश्नों से भागते नहीं थे ,हालाँकि उनके ऊपर भी कांग्रेसी होने का आरोप लगाया जाता रहा । वे उत्तेजित नहीं होते थे।

बहरहाल बात चल रही है कि हमारे शंकराचार्यों को मुकेश अम्बानी के बेटे के विवाह समारोह में आशीर्वाद देने जाना चाहिए था या नहीं ? उनका जाना धर्मसम्मत था या नहीं ? इन प्रश्नों का उत्तर कोई दे या न दे किन्तु एक बात जाहिर हो गयी की शंकराचार्यों के अम्बानी के यहां जाने से लोकधारणा ये बन गयी है कि वे भी राजनेताओं की तरह लक्ष्मी के आगे ठीक वैसा ही नर्तन कर रहे हैं,जैसे कि दुसरे लोग। भगवा ओढ़ने वाले बाबा रामदेव को तो सबने अम्बानी के बेटे के साथ नाचते देखा। रामदेव शंकराचार्य नहीं हैं लेकिन आचार्य तो है । उनका आचरण भी लोक पर असर डालता है। हालाँकि वे अब खुद कुबेर हैं।

अम्बानी के बेटे के विवाह समारोह में देश के प्रधानमंत्री से लेकर विपक्ष के तमाम नेता,अभिनेता ,दुनिया के कुबेर जाति के लोग मौजूद थे,लेकिन उनकी उपस्थिति से कोई चौंका नहीं ,क्योंकि उन्हें तो अम्बानी के यहां होना ही चाहिए था । लोगों को चौंकाया तो शंकरचार्यों की उपस्थिति ने। ये शंकराचार्य अपने दल-बल और सिंहासन के साथ अम्बानी के दरबार में हाजिर थे। ये शंकराचार्य किसी आम आदमी के यहां विवाह समारोह का निमंत्रण मिलने पर वहां नहीं जा सकते ,क्योंकि आम आदमी इन शंकराचार्यों के नाज-नखरे नहीं उठा सकता। ये शंकराचार्य हाथरस के हादसे में मारे गए लोगों के बीच नहीं जा सकते,मणिपुर नहीं जा सकते क्योंकि इन्हें इनका धर्म रोकता है। एक गोवर्धन पीठ के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद हैं जो शंकराचार्यों के आचरण की रक्षा कर सके। हालाँकि वे भी मणिपुर या हाथरस नहीं गए। वे शायद जानते हैं कि ये काम नेताओं का हैए शंकराचार्यों का नहीं।

मेरी स्पष्ट अवधारणा है कि लक्ष्मी पुत्रों के आगे हाजरी बजाने वाले हमारे शंकराचार्य सनातन धर्म का न प्रचार कर सकते हैं और न धर्म ध्वजाएं लेकर चलने के अधिकारी है। उनका आचरण पाखंड की परिधि में आता दिखाई दे रहा है। वे राजसी आचरण कर रहे है। एक शंकराचार्य ने तो अपने सन्मुख झुके प्रधानमंत्री के गले में अपने गले में पड़ी रुद्राक्ष की माला ऐसे डाली जैसे कोई राजा अपने किसी प्रिय व्यक्ति को इनाम दे रहा हो। मोदी जी रामलला के विग्रह की स्थापना समारोह में इन्हीं शंकराचार्य के विरोध के सामने झुके नहीं थे। मोदी जी ने तब मुमकिन है कि इनकी अहमन्यता को आहत किया था और अम्बानी के घर इनके सामने झुककर उनके घावों पर मरहम लगा दिया।

संयोग देखिये कि अनंत और राधिका की शादी के दिन यानी 12 जुलाई शुक्रवार को हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में जबरदस्त बूस्ट दिखा। रिलायंस के शेयर 1 फीसदी से अधिक चढ़ गए। शेयरों में तेजी से मुकेश अंबानी की संपत्ति में बड़ी बढ़ोतरी हुई। इसके पीछे नववधू के चरण हैं या शंकराचार्यों की कृपा कहना मुश्किल है। मुझे कभी -कभी लगता है कि हमारे शंकराचार्यों से बड़े और लोकप्रिय धर्मध्वजा वाहक हमारे प्रधानमंत्री हैं । कम से कम उनके पीछे अंधभक्तों की एल लम्बी-चौड़ी फौज तो है। शंकराचार्यों के पास तो कुछ नहीं है। वे तो नेताओं की तरह कलियुगी कुबेरों के पिछलग्गू बनते दिखाई दे रहे हैं।

प्रख्यात साहित्यकार शरद कोकस कहते हैं कि धर्म और पूँजी एक-दूसरे को बढ़ावा देते है। शायर विनोद प्रकाश गुप्त कहते हैं कि पैसे के गुलाम हैं ये , रामकिशोर उपाध्याय कहते हैं कि सत्ता का सुख सभी को चाहिये । कुछ मित्र शंकराचार्यों के समर्थन में भी है। शच्चिदानन्द सूक्तकार कहते हैं कि अम्बानी परिवार का शंकराचार्यों से पुराना रिश्ता है।

सुधीर कुशवाह कि शंकराचार्यों के आचरण को देखकर ओशो याद आ गए। अनिल खमपरिया कहते हैं कि पहले इंद्र और कुबेर तक आशीर्वाद लेने मुनियों के आश्रम में जाते थे ,आज तो आश्रम ही कुबेरों के यहां आ गए हैं। कुछ को सीता स्वयंबर याद आ गया । उनका कहना है कि राम की बारात में तो कितने ऋषि-मुनि बाराती बन गए थे ? कुल मिलाकर मैंने बहस छेड़ी है ,औरों ने भी शायद छेड़ी हो ,न छेड़ी हो तो भी कोई बात नहीं है। आप मुझे प्रतिसाद में मेरी पीठ भी थपथपा सकते हैं और श्राप भी दे सकते हैं। (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

राजद के वोट बैंक के दावे को आईना

बिहार के पूर्णिया के रुपौली चुनाव परिणाम ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि कहीं न कहीं पूर्णिया की जनता दलगत राजनीति से ऊपर उठकर स्थानीय मुद्दों और विकास पर वोट कर रही है। यही वजह है कि जनता ने पूर्णिया लोकसभा परिणाम की तरह इस बार भी जदयू-राजद के उम्मदीवारों को छोड़ निर्दलीय उम्मीदवारों पर भरोसा जताया है। दरअसल जिस तरह हाल ही में पूर्णिया सीट पर बतौर निर्दलीय उम्मीदवार पप्पू यादव ने जीत हासिल की थी। उसी तरह इस बार भी बिहार की एकमात्र विधानसभा सीट रुपौली पर हुए उपचुनाव के रोमांचक मुकाबले में निर्दलीय उम्मीदवार शंकर सिंह ने बाजी मार ली है। शंकर सिंह की जीत ने ये भी बता दिया है कि कोई जरूरी नहीं कि किसी खास पार्टी के पक्ष में लोगों का मत बने।

इस उपचुनाव में नीतीश कुमार की रणनीति नहीं चली। बीमा भारती के राजद में जाने के बाद ही जदयू के रणनीतिकार ने रूपौली को प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया था। पर रूपौली की जनता को निर्दलीय उम्मीदवार शंकर सिंह की लगातार मौजूदगी पसंद आई। यह ऐसी पसंद बनी की सरकार की सारी रणनीति नाकामयाव हो गई। उनकी जीत के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभा की। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ऊर्फ ललन सिंह, जीतन राम मांझी ,चिराग पासवान, जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, राज्य सरकार के मंत्री डॉ. अशोक चौधरी, लेसी सिंह, मदन सहनी सहित कई मंत्रियों ने मंडल के पक्ष में प्रचार किया।वहीं दूसरी ओर रुपौली में शंकर सिंह की जीत ने राजद के अपने वोट बैंक (मुस्लिम-यादव) की गोलबंदी के दावे की पोल खोलकर रख दी है।

इस चुनाव में सबसे ज्यादा नुकसान बीमा भारती का हुआ है। बीमा भारती ही यहां से पहले जदयू की विधायक थी। लेकिन बाद में वह राजद में शामिल हो गईं, जिसके बाद सीट खाली हो गईं। बीमा भारती ने पूर्णिया से लोकसभा का चुनाव भी लड़ा लेकिन करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था।राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने उनपर भरोसा कायम रखा और राजद ने उन्हें फिर रुपौली से विधानसभा का टिकट दे दिया, लेकिन यहां भी वह तीसरे स्थान पर ही रहीं लेकिन, सवाल यह कि मजबूत सामाजिक आधार वाले राजद के टिकट पर बीमा भारती क्यों और कैसे हार गईं?

रुपौली विधानसभा उपचुनाव के फाइनल राउंड यानी 12 वें राउंड की मतगणना में निर्दलीय प्रत्याशी शंकर सिंह 8211 वोटों से चुनाव जीत गए हैं। निर्दलीय प्रत्याशी शंकर सिंह को मिला 67779 वोट मिले हैं। वहीं दूसरे नंबर पर जदयू प्रत्याशी कलाधर मंडल को 59568 वोट और तीसरे नंबर पर राजद प्रत्याशी बीमा भारती को मिला 30108 वोट प्राप्त हुए हैं। हैरंतगेज बात है कि एनडीए और इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार के पूरा जोर लगाने के बाद भी निर्दलीय प्रत्याशी शंकर सिंह को नहीं हरा सके। चुनाव जीतने के बाद समर्थकों में जश्न का माहौल है।

शंकर सिंह लिब्रेशन आर्मी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

2000 में नार्थ लिब्रेशन आर्मी के संस्थापक बूटन सिंह की हत्या के बाद शंकर सिंह ने इसकी कमाल संभाली।

यहीं से उन्होंने अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत की थी। इस संगठन को राजपूत मिलिशिया भी कहा जाता है।रूपौली विधानसभा से शंकर सिंह का लगाव काफी पुराना है। फरवरी 2005 विधानसभा चुनाव में शंकर सिंह बतौर लोजपा उम्मीदवार बीमा भारती को हराया था। लोजपा उम्मीदवार शंकर सिंह को तब 25, 717 मत मिले थे। वर्ष 2010 विधानसभा चुनाव में बीमा भारती से शंकर सिंह हार गए थे। इन्हें तब 27, 171 मत मिले जबकि बीमा भारती को 64, 887 मत मिले थे। वर्ष 2015 के विधानसभा चुनाव में शंकर सिंह को 34, 783 मत मिले थे। वर्ष 2020 के विधानसभा में शंकर सिंह निर्दलीय लड़े पर बीमा भारती से हार गए। तब बीमा भारती को 64, 374 मत मिला और शंकर सिंह को 44,994 मत मिला। बिहार के रुपौली विधानसभा उपचुनाव में विजयी निर्दलीय प्रत्याशी शंकर सिंह का कहना है कि यह जीत जनता की जीत है। जनता ने दिल खोलकर आशीर्वाद दिया। उपचुनाव में मिली जीत से खुश शंकर सिंह ने कहा कि वे 30 सालों से जनता के बीच राजनीति नहीं, उनकी सेवा कर रहे हैं। मैं राजनीति नहीं सेवा करता हूं।

जाति समीकरण से जुड़े हुए एक सवाल पर उन्होंने कहा कि मैंने कभी जाति की राजनीति नहीं की, जमात की राजनीति की। मुझे जीत को लेकर पूरा विश्वास था। छह चक्र तक की मतगणना में भले पीछे था, लेकिन मैं जानता था कि मेरी जीत होगी। पक्ष और विपक्ष द्वारा पूरा जोर लगाए जाने के बाद भी जीत से जुड़े प्रश्न पर उन्होंने कहा कि पक्ष विपक्ष नहीं होता। इससे कोई लेना -देना नहीं, जनता मेरे लिए सबकुछ है।

राजनीतिक पंडितों के अनुसार रुपौली में भी राजद का माय यानी (मुस्लिम-यादव) समीकरण पूरी तरह ध्वस्त हो गया। जिस तरह पूर्णिया लोकसभा चुनाव में मुस्लिम मतदाताओं ने पप्पू यादव का समर्थन किया था, इसी प्रकार रूपौली विधानसभा में मुस्लिम मतदाताओं ने इस बार राजद का साथ छोड़कर शंकर सिंह को अपना भरपूर समर्थन दिया और रुपौली से पांच बार विधायक रहीं बीमा भारती को हरा दिया। रुपौली विधानसभा और पूर्णिया लोकसभा के चुनाव परिणाम ने राजद के वोट बैंक के दावे को आईना दिखा दिया है, क्योंकि रुपौली विधानसभा के सामाजिक और जातिगत समीकरण जदयू के कलाधर मंडल और राजद की बीमा भारती के अनुकुल था।

बीमा भारती और कलाधर मंडल गंगोता जाति से आती हैं और इस क्षेत्र में इस जाति के मतदाताओं की आबादी सबसे अधिक है। गंगोता समुदाय की आबादी 50 हजार से अधिक, वहीं कुर्मी और कोयरी यानी लव-कुश समुदाय के मतदाता 35 हजार के करीब हैं।मुस्लिम-यादव (माई समीकरण) के करीब 50 हजार मतदाता हैं। ये जीत के कारक के तौर पर देखे जा रहे थे। इसके अतिरिक्त वैश्य मतदाताओं की संख्या 25 हजार और जबकि सवर्ण वोटरों की तादाद भी 25 हजार के करीब है। लेकिन, चुनावी नतीजों में ये समीकरण पूरी तरह से तहस-नहस हो गए और निर्दलीय शंकर सिंह के पक्ष में जमकर वोट पड़े और उनकी जीत हुई।

बिहार में राजद की स्थिति अहं ब्रह्मास्मिवाली है। पूर्णिया के सांसद ने कहा कि बिहार में महागठबंधन का घटक राजद के नेता आज भी युवराज और राजा की तरह काम करते हैं। ना तो वो माले से पूछे, ना तो कांग्रेस को अप्रोच किया, ना तो सीपीआई-एम को बुलाया। अंतिम में वो एक घंटे पिकनिक मनाने आए। जब एक सप्ताह से पूरी सरकार गांव-गांव जा रही थी, पूरी ताकत लगाई हुई थी तो आपने तो पहले इस्तेमाल किया बीमा जी का और बाद में बलि का बकरा बना दिया।

परिवार को बर्बाद करने की कोशिश की गई और बीमा जी के साथ को-ऑर्डिनेशन नहीं बनाया गया। हम तो माफी मांगे पूरी जनता से। लोकसभा में बीमा भारती को 11 हजार वोट मिले थे, अभी उनको 33 हजार वोट मिले। और मैं जानना चाहता हूं कि लोकसभा में जदयू को 92 हजार वोट मिले थे, 24 हजार से हम पीछे थे। हम जानना चाहते हैं कि जदयू का वो वोट किसने शिफ्ट किया चालाकी से निर्दलीय के पक्ष में। और कौन लोग हैं इसके पीछे कौन लोग हैं।(लेखक - कुमार कृष्णन/ईएमएस)

शब्द पहेली - 8069

बाएँ से दाएँ

1. दांपत्य संबंध विच्छेद-3
3. रहस्य का ज्ञाता-4
6. खुशबू,सुगंध-3
7. सौ,सैकड़ा,शतक-2
8. दुलारा,लाड़ला-2
10. नाम रखना-5
12. दाम,मूल्य,दर-3
15. अग्नि,आग-3
17. सम्मान देना -2,3
20. जन्नत,अप्सरा-2
22. दाम,कीमत-2
23. स्थान-3
24. अचरज भरा कार्य-4
25. गागर, घड़ा-3

ऊपर से नीचे

2. न्यूनता,कमी-5
3. अटक-अटक कर बोलने वाला-3
4. आवश्यकता-4
5. राजी करना,मान मनुहार करना-3
7. वहम,संदेह-2
9. भाग्यशाली(अंग्रजी-2)
11. मैला,दागदार-3
13. धोखेबाज,कपटी-3
14. मन मोहने वाला-5
15. अशांति फैलाने वाला, उपद्रवी-4
16. रक्त,खून-2
18. आनेवाला दिन-2
19. नृत्य करना-3
21. चांदी-3

शब्द पहेली -8068 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

चैम्पियंस ट्रॉफी को लेकर अपना रुख साफ करे बीसीसीआई : पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड

कराची (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई को चैम्पियंस ट्रॉफी में भाग लेने को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिये। पीसीबी के एक अधिकारी के अनुसार अगर बीसीसीआई टीम नहीं भेजता तो उसे लिखित में ये देना पड़ेगा कि सरकार सुरक्षा करणों से उसे अनुमति नहीं दे रही है। पीसीबी चाहता है कि ये मामला जितनी

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 145 , निफ्टी 84 अंक ऊपर आया

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी बैंकिंग शेयरों में खरीददारी बढ़ने और विदेशी कोषों के प्रवाह से बाजार में ये उछाल आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 145.52 अंक करीब 0.18 फीसदी ऊपर आकर 80,664.86 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 84.55 अंक तकरीबन 0.35 फीसदी बढ़कर 24,586.70 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। दिन के दौरान, यह 132.9 अंक करीब 0.54 फीसदी बढ़कर 24,635.05 के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 18 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। एसबीआई, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, एमएंडएम और आईटीसी सेंसेक्स के शीर्ष-5 सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, मारुति, इंडसइंड बैंक, कोटक बैंक, एचसीएल टेक, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, सन फार्मा, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, एलएंडटी और रिलायंस के शेयर भी बढ़ें हैं।

दूसरी ओर सेंसेक्स के 12 शेयर नुकसान में रहे। एशियन पेंटर्स, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील और टेक महिंद्रा के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। इसके अलावा टीसीएस, इंफोसिस, नेस्ले इंडिया, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और एचयूएल के शेयर नीचे आये।

वहीं दूनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में, सियोल और शंघाई ऊंचे स्तर पर पहंचे जबकि हांगकांग का बाजार गिरा है। यूरोपीय बाजार भी नीचे आये हैं। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) ने शुक्रवार को 4,021.60 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार के दौरान बाजार में उछाल आया। इस दौरान निफ्टी अपने नए सर्वकालिक शीर्ष स्तर पर पहुंच गया जबकि सेंसेक्स 290 अंक उपर आया। सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों में से एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर में तीन फीसदी से अधिक की तेजी आई।

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा संभव नहीं, लेकिन विकास के लिए तत्पर मोदी सरकार

पटना (ईएमएस)। पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार में बतौर केंद्रीय मंत्री काम कर रहे बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के बयान ने बिहार का सियासी तापमान बढ़ा दिया है। दरअसल केंद्रीय मंत्री मांझी ने कहा है कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा संभव नहीं है। नीति आयोग पहले ही साफ कर चुका है कि अब किसी भी राज्य को विशेष राज्य का दर्जा देना संभव नहीं है। लेकिन,केंद्र की मोदी सरकार बिहार को विशेष मदद करने के लिए सदैव तत्पर है। केंद्रीय मंत्री मांझी ने कहा है कि केंद्र पूर्वोत्तर के राज्यों में सड़कों का जाल बिछा रही है। इन इलाकों के समग्र विकास के लिए भारी पैमाने पर कदम उठाया जा रहा है जो पहले कभी नहीं हुआ।

सोना 73,150 और चांदी 92,850 रुपए के करीब

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस सप्ताह सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत सुस्त रही। दोनों के वायदा भाव सोमवार को गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 73,150 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 92,850 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की भी शुरुआत सुस्त रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 164 रुपये की गिरावट के साथ 73,105 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 126 रुपये की गिरावट के साथ 73,143 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 206 रुपये की गिरावट के साथ 92,903 रुपये पर खुला। इस समय यह 267 रुपये की गिरावट के साथ 92,842 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2419.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,420.70 डॉलर प्रति औंस था। ?फिलहाल यह 6.60 डॉलर की गिरावट के साथ 2,414.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.10 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.16 डॉलर था। इस समय यह 0.08 डॉलर की गिरावट के साथ 31.08 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

बजट सत्र में पेश हो सकता है बीमा कानून संशोधन विधेयक

नई दिल्ली (ईएमएस)। मोदी सरकार '2047 तक सभी के लिए बीमा' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए आगामी बजट सत्र के दौरान बीमा अधिनियम, 1938 में संशोधन करने वाला विधेयक पेश कर सकती है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि संशोधन विधेयक में शामिल किए जाने वाले कुछ प्रावधानों में समग्र लाइसेंस, अंतर पूंजी, सॉल्वेंसी मानदंडों में राहत, कैप्टिव लाइसेंस जारी करना, निवेश नियमों में बदलाव, मध्यवर्तियों के लिए एकमुश्त पंजीकरण और बीमा कंपनियों को अन्य वित्तीय उत्पाद वितरित करने की अनुमति देना शामिल हैं।

इस कदम से बैंकिंग क्षेत्र की तरह विभेदित बीमा कंपनियों के प्रवेश की अनुमति दी जा सकती है। बैंकिंग क्षेत्र को वर्तमान सार्वभौमिक बैंक, लघु वित्त बैंक और भुगतान बैंक के रूप में वर्गीकृत किया गया है। समग्र लाइसेंस के प्रावधान से जीवन बीमा कंपनियों को स्वास्थ्य बीमा या सामान्य बीमा पॉलिसियों को 'अंडरराइट' करने की अनुमति मिलेगी। बीमा अधिनियम, 1938 के प्रावधानों के अनुसार, जीवन बीमा कंपनियां केवल जीवन बीमा कवर ही दे सकती हैं, जबकि साधारण बीमा कंपनियां स्वास्थ्य, मोटर, आग लगने जैसे गैर-बीमा उत्पाद दे सकती हैं। इरडा बीमा कंपनियों के लिए समग्र लाइसेंसिंग की अनुमति नहीं देता है। इसके बाद एक बीमा कंपनी एक इकाई के रूप में जीवन और गैर-जीवन, दोनों उत्पाद नहीं दे सकती है।

सूत्रों ने बताया कि विधेयक का मसौदा तैयार है, इस मंजूरी के लिए मंत्रिमंडल के पास भेजा जाना है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय को उम्मीद है कि आगामी सत्र में पेश किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित संशोधन मुख्य रूप से पॉलिसीधारकों के हितों को बढ़ावा देने, पॉलिसीधारकों को मिलने वाले रिटर्न में सुधार करने, अधिक प्रतिभागियों के प्रवेश को सुगम बनाने, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने, बीमा उद्योग की परिचालन और वित्तीय दक्षता बढ़ाने और कारोबारी सुगमता पर केंद्रित हैं। वित्त मंत्रालय ने दिसंबर, 2022 में बीमा अधिनियम, 1938 और बीमा विनियामक विकास अधिनियम, 1999 में प्रस्तावित संशोधनों पर टिप्पणियां आमंत्रित कीं थीं।

सेबी अगले माह सात कंपनियों की19 संपत्तियों की नीलामी करेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। बाजार नियामक सेबी मंगलम एग्रो प्रोडक्ट्स, सन प्लांट बिजनेस लिमिटेड और सुमंगल इंडस्ट्रीज समेत सात कंपनियों की 19 संपत्तियों की 12 अगस्त को नीलामी करेगा। यह कदम इन कंपनियों द्वारा निवेशकों से अवैध रूप से एकत्र की गई धनराशि को वसूलने के सेबी के प्रयासों का हिस्सा है।भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के अनुसार, नीलामी 12 अगस्त को पूर्वाह्न 11 बजे से दोपहर एक बजे तक ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। सेबी ने सुमंगल इंडस्ट्रीज, सनहेवन एग्रो इंडिया, रविकिरण रियल्टी इंडिया, मंगलम एग्रो प्रोडक्ट्स, पुरुषत्तम इन्फोटेक इंडस्ट्रीज, जीवन साथी ड्रीम प्रोजेक्ट्स और सन प्लांट बिजनेस तथा उनके प्रवर्तकों/निदेशकों के खिलाफ वसूली कार्यवाही में संपत्तियों की बिक्री के लिए बोलियां आमंत्रित कीं। सेबी ने नीलामी में सहायता के लिए एड्रोइट टेक्निकल सर्विसेज को नियुक्त किया है।

बजट में अन्नदाताओं पर मेहरबान हो सकती हैं मोदी सरकार

पीएम किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ सकती है

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई 2024 को चालू वित्त वर्ष के लिए आम बजट पेश करेंगी। बजट से आम जनता के साथ किसानों को भी काफी उम्मीदें हैं। बताया जा रहा हैं कि आम बजट में अन्नदाताओं को बड़ी सौगात मिल सकती है। मोदी सरकार पीएम किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ा सकती है। साथ ही मोदी सरकार किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की सीमा बढ़ाने और कृषि उपकरणों पर सब्सिडी बढ़ाने सहित कई रियायतों की घोषणा कर सकती है।

दरअसल पार्टी से जुड़े संगठन और केंद्र सरकार को समर्थन दे रहे राजनीतिक दल चाहते हैं कि केंद्र सरकार अन्नदाताओं के हित में बड़े फैसले ले। इससे किसानों में यह साफ संदेश जाएगा कि मोदी सरकार कृषि को लेकर गंभीरता से काम कर रही है।

फिलहाल किसानों को क्रेडिट कार्ड (केसीसी) पर 3 लाख रुपए का कृषि लोन 7 प्रतिशत सालाना ब्याज दर पर मिल रहा है, जिसमें सरकार 3 फीसदी की सब्सिडी देती है। यानी किसानों को यह लोन 4 प्रतिशत सालाना ब्याज दर पर मिलता है। वहीं बढ़ती महंगाई के साथ-साथ कृषि लागत में बढ़ोतरी को देखकर मोदी सरकार 3 लाख की सीमा को बढ़ाकर 4 से 5 लाख रुपए कर सकती है।

बता दें कि केंद्र सरकार कृषि उपकरणों की खरीद पर जीएसटी लगाती है, जिसका किसान संगठन विरोध कर रहे हैं। उनकी मांग है कि सरकार कृषि उपकरणों पर जीएसटी हटाए या फिर किसानों को इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ दे। सरकार के सूत्रों ने बताया कि मोदी सरकार बजट में कृषि उपकरणों पर जीएसटी दरों में भी कटौती कर सकती है या फिर ज्यादा सब्सिडी देने का ऐलान कर सकती है।

इतना ही नहीं बजट में सरकार पीएम किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ा सकती है। दरअसल मोदी सरकार पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को 6,000 रुपए दे रही है। लेकिन दावा है कि लगातार बढ़ रही महंगाई और किसानों की बढ़ती लागत को देखकर इस बढ़ाकर 8,000 रुपए कर सकती है। फिलहाल केंद्र सरकार किसानों के खाते में 2000 रुपए की 3 किस्त ट्रांसफर करती है। बजट में कृषि क्षेत्र में नई टेक्नोलॉजी को लेकर कोई घोषणा होने की संभावना है। किसानों को उम्मीद है कि सरकार कृषि क्षेत्र में ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाने के लिए कोई नया प्रोग्राम शुरू कर सकती है।

सरकार निर्यातकों के लिए विशेष समिति बनाएगी, पोर्टल भी होगा शुरू!

नई दिल्ली (ईएमएस)। निर्यातकों को शुल्क के अलावा आने वाली बाधाओं से होने वाली दिक्कतें दूर करने के ?लिए सरकार एक समिति बनाने और पोर्टल शुरू करने की तैयारी में है, जो निर्यातकों के सामने आने वाली ऐसी समस्याएं दूर करने के लिए काम करेगा। नॉन टैरिफ बैरियर व्यापार पर शुल्क के अलावा लगने वाली बंदिशें हैं, जो कई देश अपने आर्थिक लक्ष्यों को ध्यान में रखकर लगाते हैं। इनमें नियामकीय मंजूरी, कर एवं शुल्क आदि शामिल होते हैं। निर्यातकों और आयातकों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार में शुल्क की दिक्कत से ही नहीं जूझना पड़ता। शुल्क के अलावा दूसरी कवायदों जैसे दस्तावेज से संबंधित प्रक्रियाएं, वस्तुओं की जांच और प्रमाणन, गुणवत्ता, आयात संबंधी पाबंदियों, मौसमी शुल्क, टैरिफ कोटा या सार्वजनिक खरीद प्रणाली आदि भी उनके लिए रुकावट की तरह होती हैं। नॉन टैरिफ बैरियर को आम तौर पर अनुचित और आयातकों से भेदभाव करने वाला माना जाता है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा ?कि नॉन टैरिफ बैरियर देखने के लिए एक समिति गठित की गई है। कई बार ऐसी बाधाओं में हमारी तरफ से कुछ सुधार या बदलाव की जरूरत होती है और कई बार व्यापारिक भागीदारों के साथ बातचीत करनी होती है। सरकार इस समस्या का समाधान करने के लिए श्रेष्ठ तरीका तलाशने का प्रयास कर रही है। उक्त अधिकारी ने बताया, समिति विस्तृत विश्लेषण भी करेगी और यह समझने का प्रयास करेगी कि व्यापारिक भागीदारों द्वारा लागू किए गए कायदे विश्व व्यापार संगठन के नियमों के अनुरूप हैं या नहीं। यह भी देखेगी कि भारत ने इस पर बीते समय में आपत्ति जताई है या नहीं। अगर नियम विश्व व्यापार संगठन के अनुरूप है और अन्य देश उसका पालन कर रहे हैं तो देखा जाएगा कि इस चुनौती से निपटने के लिए भारत अपनी प्रणाली में बदलाव कर सकता है या नहीं। इससे द्विपक्षीय या क्षेत्रीय स्तर पर मुद्दों को उठाने में उद्योग के समक्ष आने वाली चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी।

आर्थिक विकास दर में पिछड रहा चीन

नई दिल्ली (ईएमएस)। चीन की आर्थिक विकास दर में गिरावट आने का दौर लगातार जारी है। चीन सरकार ने ही सोमवार को इसकी पुष्टि की। अप्रैल-जून तिमाही में देश की आर्थिक विकास दर 4.7 फीसदी विकास दर के अनुमान से भी धीमी रही। गौरतलब है कि चीन में इसी साल की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) में आर्थिक विकास दर 5.3 फीसदी थी। इस लिहाज से बीती तिमाही में यह गिरावट काफी ज्यादा रही। अर्थशास्त्रियों के अनुसार उपभोक्ता मांगों में कमी और सरकार की तरफ से कम खर्च का असर अब चीन क विकास दर पर भी दिखने लगा है।

नेपाल में नई सरकार ओली ने चौथी बार ली पीएम पद की शपथ

काठमांडू (ईएमएस)। नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी के नेता केपी शर्मा ओली ने सोमवार को चौथी बार नेपाल के प्रधानमंत्री पद की शपथ ले ली। राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल उन्हें पद की गोपनीयता की शपथ दिलाई। ओली ने इसके ठीक बाद अपने मंत्रिमंडल में 22 मंत्रियों को जगह देने का एलान किया। इनमें ओली का समर्थन करने वाले चार दलों के नेताओं को जगह दी गई है।

पीएम मोदी ने दी ओली को बधाई

इस मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर ओली को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने लिखा- दोनों देशों के बीच दोस्ती के गहरे बंधन को और मजबूत करने के लिए साथ में काम करने के लिए उत्सुक, जिससे दोनों देशों का परस्पर सहयोग और अपने लोगों की प्रगति और समृद्धि को आगे बढ़ाया जा सके। गौरतलब है कि नेपाल को बीते कुछ वर्षों में लगातार राजनीतिक उथल-पुथल का सामना करना पड़ा है। दरअसल, रिपब्लिकन प्रणाली लागू होने के बाद पिछले 16 वर्षों में देश में 14 सरकारें आई हैं। अब नेपाल की सबसे बड़ी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता के पी शर्मा ओली को रविवार को चौथी बार नेपाल का प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। वह एक नई गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने वाले हैं, जिसके सामने इस हिमालयी राष्ट्र में राजनीतिक स्थिरता प्रदान करने की कठिन चुनौती है।

वरिष्ठ पत्रकार योगेश कुमार गोयल को 'देश रत्न अवार्ड'

नई दिल्ली (ईएमएस)। करीब साढ़े तीन दशकों से प्रिंट मीडिया से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार योगेश कुमार गोयल को 14 जुलाई को नई दिल्ली में कनॉट प्लेस के मुक्तधारा ऑडिटोरियम में आयोजित एक भव्य समारोह में पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'देश रत्न अवार्ड' से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान उ.प्र. सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री रही सूजन आनंद, शहीद भगत सिंह सेवा दल के संस्थापक पद्मश्री जितेंद्र सिंह शेट्टी, इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के सीनियर कंसल्टेंट न्यूरो सर्जन डा. आदित्य भाटी, एनएडी की महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष भावना धवन, फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश यादव, राजौरी गार्डन ब्रह्माकुमारी केंद्र की निदेशक बीके राजयोगिनी शक्ति बहन सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति में गैर-राजनीतिक संगठन 'नेशनल अकाली दल' के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा द्वारा प्रदान किया गया। संगठन की महिला विंग द्वारा संगठन के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में स्कूली छात्रों और कलाकरों द्वारा अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, वहीं भरतनाटयम के जरिये वंदेमातरम का मंचन करते हुए नृत्यांगनाओं ने ऐसा समां बांधा कि खचाखच भरा ऑडिटोरियम मंत्रमुग्ध हो गया। समारोह में पम्मा ने सभी उपस्थित सैंकड़ों प्रबुद्धजनों को शपथ दिलाकर वचनबद्ध किया कि वे देश और समाज के हित के लिए कार्य करेंगे, समाज और देश के प्रति वफादार एवं ईमानदार रहेंगे, देश के विकास में योगदान देते रहेंगे, गरीबों, जरूरतमंदों तथा बेसहारा लोगों की मदद करते रहेंगे और जो कोई भी देश की एकता और अखण्डता को तोड़ने का प्रयास करेगा, उन्हें मुंहतोड़ जवाब देंगे। समारोह में आतंकियों द्वारा जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में सेना के शहीद हुए पांच जवानों को श्रद्धांजलि दी गई और सभी उपस्थित प्रबुद्धजनों को आंतकवाद के खिलाफ लड़ने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर एनएडी के अध्यक्ष ने ऐलान किया कि आंतकवाद के खिलाफ उनकी जंग जारी रहेगी।

पत्रकार योगेश कुमार गोयल ने 1990 में पत्रकारिता के क्षेत्र में कदम रखा था और छात्र जीवन में ही केवल 19 साल की आयु में 1993 में अपनी पहली पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' लिखी थी। नशे के दुष्प्रभावों पर लिखी उस पुस्तक को जिला प्रशासन रोहतक सहित पांच विभिन्न संस्थाओं द्वारा पुरस्कृत किया गया था। श्री गोयल 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय हैं और राजनीतिक, समसामयिक विषयों के अलावा पर्यावरण, सामरिक और समाज से जुड़े लगभग सभी महत्वपूर्ण विषयों पर अब तक चौदह हजार से ज्यादा लेख तथा छह पुस्तकें लिख चुके हैं। इनके लेख नवभारत टाइम्स, हिन्दुस्तान, दैनिक भास्कर, दैनिक जागरण, अमर उजाला, जनसत्ता, पंजाब केसरी, पाञ्चजन्य, दैनिक ट्रिब्यून, सामना, राजस्थान पत्रिका, लोकमत समाचार इत्यादि अनेक पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहे हैं। तीन दशक से भी ज्यादा लंबे पत्रकारिता कैरियर में कई प्रतिष्ठित संस्थाओं से सम्मानित हो चुके गोयल करीब 17 वर्षों तक तीन फीचर एजेंसियों का सम्पादन भी कर चुके हैं। हिन्दी अकादमी दिल्ली के आर्थिक सहयोग से पर्यावरण पर प्रकाशित हुई इनकी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' तो काफी चर्चित रही है।

उल्का पिंडों की वर्षा से जगमगाएगा आकाश

वाशिंगटन (ईएमएस) अर्थ.कॉम में प्रकाशित जानकारी के अनुसार 30 जुलाई को दो बड़ी खगोलीय घटना होने जा रही हैं। जिन्हें धरती से देखा जा सकता है। कुंभ एवं मकर राशि के नक्षत्र से निकलने वाले उल्का पिंडों की वर्षा आकाश में होगी।उल्का वर्षा का शानदार नजारा दक्षिणी गोलार्ध और भूमध्य रेखा के करीब पृथ्वी से स्पष्ट रूप में नजर आएगा। आधी रात के बाद यह नजारा देखने योग्य होगा। आसमान में उल्का पिंडों की रोशनी मनमोहक दृश्य पैदा करेगी। यह खगोलीय घटना तब होती है। जब पृथ्वी किसी धमकेतु या छुद्र ग्रह द्वारा छोड़े गए मलबे के रास्ते से गुजरती है।

उल्का वर्षा मैं धमकेतु के टुकड़े

सौरमंडल में उल्का पिंड आमतौर पर मंगल और बृहस्पति के बीच की बेल्ट में धमकेतु के टुकड़े होते हैं। धमकेतू जैसे ही सूर्य के करीब आते हैं।वह अपना कुछ हिस्सा खो देते हैं।पृथ्वी में आने के दौरान यह दृश्य नजर आता है।जब कोई उल्का पिंड पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करता है। उस वक्त इनकी गति 40000 से 260000 किलोमीटर प्रति घंटे की होती है। तेज गति के कारण इनमें घर्षण पैदा होता है।जिससे चमक उत्पन्न होती है। किसी उल्का पिंड का टुकड़ा पृथ्वी की सतह पर पहुंच जाता है। उसे उल्का पिंड के नाम से जाना जाता है।30 जुलाई को होने वाली यह उल्का वर्षा आधे घंटे तक आकाश में देखी जा सकती है।

पाकिस्तान में खत्म होगा विपक्ष..... इमरान की पार्टी पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान की सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। शहबाज शरीफ सरकार में सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने इसकी जानकारी दी है। मंत्री तरार ने कहा कि उनकी सरकार पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी में है, क्योंकि पाकिस्तान और पीटीआई एक साथ नहीं रह सकते। ये पार्टी और इसकी सोच देश के लिए खतरा बन गए हैं। इतना ही नहीं इस पार्टी के लोग देशविरोधी कामों में शामिल हैं। पाकिस्तान सरकार ने पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही इमरान खान, पूर्व राष्ट्रपति आरिफ अल्वी और पूर्व उपसभापति कासिम सूरी के खिलाफ आर्टिकल 6 लगाने का भी ऐलान किया है। आर्टिकल 6 के तहत मामले में मौत की सजा हो सकती है। इससे उनके भविष्य में चुनाव लड़ने पर भी संकट हो सकता है।

मंत्री तरार ने कहा कि पीटीआई पर कार्रवाई के लिए उनकी सरकार के पास ठोस सबूत मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि विदेशी फंडिंग मामले, 9 मई के दंगे, सिफर प्रकरण और अमेरिका में पारित प्रस्ताव को देखकर हमारी सरकार का मानना है कि पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने के लिए यह बहुत ही विश्वसनीय सबूत हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, देश के सूचना मंत्री अट्टा तरार ने कहा है कि शहबाज शरीफ की सरकार पिछले हफ्ते के फैसले के खिलाफ पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के सामने एक समीक्षा याचिका भी दायर करेगी। फैसले में पीटीआई को एक राजनीतिक दल के रूप में उसकी स्थिति की पुष्टि की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि इमरान की पार्टी राष्ट्रीय विधायिका में 20 से अधिक अतिरिक्त आरक्षित सीटों के लिए पात्र है। इस फैसले से गठबंधन सरकार पर सदन के भीतर दबाव बढ़ा है। इस फैसले को भी शाहबाज सरकार चुनौती देगी।

71 साल के इमरान पाकिस्तान के लोकप्रिय क्रिकेटर रहे हैं। खेल के बाद वह राजनीति में आए। 1996 में उन्होंने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का गठन किया। 1996 से 2023 तक वे पीटीआई के अध्यक्ष रहे हैं। अगस्त 2018 से अप्रैल 2022 तक वे पाकिस्तान के 22वें प्रधानमंत्री के रूप में काम कर चुके हैं। 2022 पीएम पद से हटने के बाद उनकी मुश्किलें शुरू हुईं। उन पर कई मामले दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इमरान फिलहाल रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। इमरान को दो मामलों में सजा भी सुनाई जा चुकी है।

ट्रंप पर हमला .....पन्नू ने भारत के खिलाफ उगला जहर

वाशिंगटन (ईएमएस)। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश के बाद खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने बेतुका आरोप लगाकर भारत के खिलाफ जहर उगला है। पन्नू ने आरोप लगाया कि ट्रंप पर फायरिंग करने वाले शूटर ने वहीं मानसिकता दिखाई, जो भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार अपने विरोधियों के खिलाफ अपनाती हैं। पन्नू ने कहा, हम खालिस्तान समर्थक सिख ट्रंप के ऊपर हमले के प्रयास की स्पष्ट रूप से निंदा करते हैं। जहरीले पन्नू ने कहा कि राजनीतिक मतभेद हमेशा बुलेट (गोली) नहीं, बैलट (वोट) के जरिए सुलझाए जाने चाहिए।

खालिस्तानी पन्नू ने ट्रंप के ऊपर हमले का इस्तेमाल भारत के खिलाफ बाइडन प्रशासन पर दबाव बनाने के लिए किया। पन्नू ने कहा, हमें उम्मीद है कि ट्रंप के खिलाफ जघन्य राजनीतिक हिंसा के बाद अमेरिकी प्रशासन घरेलू और विदेशी तत्वों द्वारा राजनीतिक हिंसा के इस्तेमाल का अधिक सख्ती से जवाब देगा। पन्नू ने फिर भारत पर खालिस्तान समर्थकों के अंतरराष्ट्रीय दमन का आरोप लगाया।

टूडो सरकार के इस फैसले से प्रभावित होंगे भारतीय छात्र

ओटावा (ईएमएस)। कनाडा की जस्टिन टूडो सरकार ने हालिया समय में अंतरराष्ट्रीय छात्रों और अस्थायी निवासियों की संख्या को सीमित करने के प्रयास किया हैं। कनाडा सरकार की कोशिश के बावजूद इस साल के पहले चार महीनों में जारी किए गए अध्ययन परमिटों की संख्या बढ़ी है। टूडो की सरकार ने आवास संकट को कम करने के लिए इंटरनेशनल छात्रों सहित अस्थायी निवासियों के प्रवेश को कम करने के लिए कई उपायों की घोषणा की गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, इमिग्रेशन, रिफ्यूजीज एंड सिटिजनशिप कनाडा (आईआरसीसी) की ओर से जारी आंकड़ों से साफ होता है कि इस साल जनवरी से अप्रैल तक जारी किए गए स्टडी परमिटों की संख्या में 2023 की इसी अवधि की तुलना में वृद्धि हुई है। कुल स्टडी परमिट 2023 के शुरुआती चार महीनों की 165,805 की संख्या से बढ़कर 2024 की शुरुआत में 187,510 हो गए। वीजा प्राप्त करने वाले भारतीय छात्रों की संख्या भी 72,750 से बढ़कर 81,260 हो गई, जो कुल परमिटों का 43 फीसदी है।

भारतीय छात्रों की संख्या सबसे ज्यादा

बीते साल, 2023 में कनाडा से जारी किए गए कुल 682,430 स्टडी परमिटों में से 278,335 भारतीय छात्रों के थे। 2024 में अब तक कनाडा ने 216,620 अध्ययन परमिट जारी किए हैं, इसमें 91,510 भारतीय छात्रों को मिले हैं। 21 मार्च को इमिग्रेशन मंत्री मार्क मिलर ने अगले तीन वर्षों में अस्थायी निवासी आबादी को 5 प्रतिशत कम करने का लक्ष्य रखा था।

टूडो सरकार के इन उपायों के बाद मई में जारी अध्ययन परमिटों की संख्या में मामूली गिरावट आई। मई के महीने में ये संख्या 2023 के 34,400 से घटकर 2024 में 30,490 हो गई। इस दौरान भारतीय छात्रों के लिए परमिट 13,055 से घटकर 10,560 हो गए। सरकार के ये निर्णय घरों की बढ़ती लागतों से प्रभावित होकर लिए गए, इससे आवास संकट को काफी प्रभावित किया है।

भारतीय छात्रों के लिए इससे प्रतिस्पर्धा में वृद्धि हो सकती है, जो कुल परमिटों की संख्या का 43 प्रतिशत हिस्सा हैं। हालांकि भविष्य के बारे में सोचकर उन्हें परेशानी हो सकती है। भविष्य में कनाडा सरकार स्टडी परमिट आवेदनों की संख्या को सीमित कर देगी और अस्थायी निवासी आबादी को कम करेगी। इससे भविष्य में अध्ययन परमिट प्राप्त करना कठिन हो जाएगा।

धन विधेयक के सहारे कानून बनाने के खिलाफ याचिका

नई दिल्ली (ईएमएस)। आधार अधिनियम जैसे कानूनों को धन विधेयक के रूप में पारित करने की वैधता को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की गई हैं। अब सुप्रीम कोर्ट इन याचिकाओं पर सुनवाई के लिए एक पीठ गठित करने पर विचार कर रहा है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ से अपील करते हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि याचिकाओं की सूचीबद्ध करने की जरूरत है ताकि उन पर सुनवाई हो सके।

मासूम चेहरा.....गणित और विज्ञान में अव्वल...हमलावर थॉमस

वाशिंगटन (ईएमएस)। पेन्सिलवेनिया में चुनावी रैली के दौरान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमला करने वाले हमलावर थॉमस मैथ्यू क्रुक्स की तस्वीर सामने आई है।

20 साल का युवा, आखों पर चश्मा और कैमरे की तरफ देखकर मुस्कुराता हुआ चेहरा... तस्वीर को देखकर किसी के भी जहन में बस यही आएगा की आखिर इतना मासूम सा दिखने वाला शख्स देश के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर गोली कैसे चला सकता है।

जांच एजेंसी ने बताया कि थॉमस काफी शांत स्वभाव का इंसान था। वह काफी अकेले रहता था और 2022 में बेथेल पार्क हाई स्कूल से ग्रेजुएशन पूरी की थी। बताया जाता है कि थॉमस ने राष्ट्रीय गणित और विज्ञान पहल से 500 डॉलर का स्टार अवॉर्ड भी हासिल किया था। वह एक रजिस्टर्ड सदस्य रिपब्लिकन पार्टी से था और आगामी 5 नवंबर के राष्ट्रपति चुनाव में पहली बार मतदान करने वाला था।

थॉमस के दोस्तों ने बताया कि थामस को कभी राजनीति या ट्रम्प पर चर्चा करते हुए नहीं देखा था। लेकिन, थामस को अक्सर स्कूल में धमकाया जाता था। ग्रेजुएशन होने के बाद, वह एक नर्सिंग होम में काम कर रहा था। हमले के बाद, उसकी कार के अंदर एक संदिग्ध उपकरण पाया गया, जिसकी अब बम तकनीशियनों द्वारा जांच हो रही है। अधिकारी अब उसके फोन की भी जांच कर रहे हैं।

हमले से पहले रैली में मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया कि उन्होंने सुरक्षा अधिकारियों को थॉमस के बारे में चेतावनी देने की कोशिश की थी जो पास की छत से छत पर घूम रहा था और रैली की ओर बंदूक तानकर पेट के बल लेटा हुआ था।

चेतावनीः परमाणु हथियार इस्तेमाल किया तो तुम्हें विश्व के नक्शे से मिटा देंगे-दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के बीच बढ़ा तनाव

सियोल(ईएमएस)। दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के बीच कुछ समय से परमाणु हथियार के इस्तेमाल को लेकर तनाव चल र

गुजरात में अगले दो दिन भारी बारिश की चेतावनी, 6 जिलों में रेड अलर्ट

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में अगले दो दिन भारी से अतिभारी बारिश की चेतावनी दी गई है जिसे देखते हुए राज्य के 6 जिलों में बारिश का रेड अलर्ट दिया गया है मौसम विभाग के मुताबिक अगले 48 घंटों में गुजरात में भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है

भारी बारिश की संभावना के चलते राज्य के छोटाउदेपुर, भरूच, नर्मदा, सूरत, नवसारी और वलसाड में बारिश का रेड अलर्ट दिया गया है जबकि अमरेली, भावनगर, बोटाद, सुरेंद्रनगर, आणंद, वडोदरा, साबरकांठा, अरवल्ली, अहमदाबाद, तापी, डांग और अमरेली समेत 12 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है मौसम विभाग के मुताबिक गुजरात में अगले सात दिनों तक मेघा मेहरबान रहेंगे खासकर अगले दो दिनों तक राज्य में भारी से अतिभारी बारिश का अनुमान है मौजूदा स्थितियों को देखते हुए मछुआरों को समुद्र में न जाने की हिदायत दी है दूसरी ओर मौसम के जानकार अंबालाल पटेल के मुताबिक गुजरात में अगले 48 घंटों में अहमदाबाद में भारी बारिश की संभावना है डांग, वलसाड, सूरत, भावनगर, बोटाद, राजकोट में भी भारी बारिश की संभावना है। उत्तर गुजरात के बनासकांठा के कुछ हिस्सों में भी बारिश का अनुमान है

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के जन्मदिन के अवसर पर प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री ने दीं शुभकामनाएं

गांधीनगर 15 जुलाई : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के जन्मदिन के अवसर पर प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री और केंद्रीय मंत्रियों सहित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों तथा अनेक महानुभावों की ओर से शुभकामनाओं का सिलसिला लगातार जारी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुबह सबसे पहले मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं प्रेषित की।

प्रधानमंत्री ने श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात के विकास को बढ़ावा देने और राज्य के युवाओं को सशक्त बनाने के उनके प्रयासों की सराहना की है। गुजरात के लोगों की सेवा में लगे श्री भूपेंद्र पटेल के लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए भी प्रधानमंत्री ने शुभकामनाएं व्यक्त की हैं।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने भी मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए गुजरात की विकास यात्रा को आगे बढ़ाने में मुख्यमंत्री के योगदान की सराहना की है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुखभाई मांडविया ने भी मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं दी हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने भी मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल को जन्मदिन की बधाई दी और यह शुभकामना व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में गुजरात उन्नति और समृद्धि के नए आयाम स्थापित करे।

गुजरात में नए वायरस की एंट्री से हड़कंप, 48 घंटे में 4 बच्चों की मौत, 3 का चल रहा इलाज

अहमदाबादः गुजरात के साबरकांठा और अरवल्ली जिले में चार बच्चों की मौत से हड़कंप मचा हुआ है। दावा किया जा रहा है कि इन चारों बच्चों की मौत चांदीपुरा वायरस से हुई है। इस वायरस से संक्रमित तीन बच्चों का इलाज भी चल रहा है। तीनों बच्चों का इलाज जिले के हिम्मतनगर के सिविल अस्पताल में चल रहा है। साबरकांठा के मुख्य जिला स्वास्थ्य अधिकारी राज सुतारिया ने बताया कि सभी बच्चों के खून के नमूने पुष्टि के लिए पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) भेजे गए हैं और उनके परिणाम का इंतजार है।

अधिकारी ने बताया कि हिम्मतनगर सिविल अस्पताल में बाल रोग विशेषज्ञों को 10 जुलाई को चार बच्चों की मौत के बाद चांदीपुरा वायरस की भूमिका पर संदेह हुआ था। सुतारिया ने कहा कि अस्पताल में भर्ती तीन अन्य बच्चों में भी इसी तरह के लक्षण दिखाई दिए हैं। ऐसा लगता है कि वे भी उसी वायरस से संक्रमित हैं। अब तक जिन चार बच्चों की मौत हुई है उनमें से एक साबरकांठा जिले का और दो पड़ोसी अरवल्ली जिले के थे। चौथा बच्चा राजस्थान का रहने वाला था।

उन्होंने कहा कि अस्पताल में भर्ती तीनों बच्चे भी राजस्थान के हैं। सुतारिया ने कहा कि राजस्थान में अधिकारियों को संदिग्ध वायरल संक्रमण से बच्चे की मौत के बारे में सूचित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हमने सभी नमूने पुणे में एनआईवी को भेज दिए हैं, जिनमें चार बच्चों के नमूने भी शामिल हैं, जिनकी मृत्यु हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि संक्रमण को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में सैंडफली को मारने के लिए डस्टिंग सहित बचाव के उपाय करने के लिए दल तैनात किए हैं।

चांदीपुरा वायरस बुखार का कारण बनता है, जिसमें फ्लू के समान लक्षण होते हैं और तीव्र एन्सेफलाइटिस (मस्तिष्क की सूजन) होता है। रोगज़नक़ रबडोविरिडे परिवार के वेसिकुलोवायरस जीनस का एक सदस्य है। यह मच्छरों, टिक्स और सैंडफली जैसे वैक्टर द्वारा फैलता है।

भाजपा में अडवाणी और जोशी के साथ जो हुआ वह गुजरात में नितिन पटेल के साथ हुआ : कांग्रेस

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात कांग्रेस ने कहा कि राष्ट्रीय नेता लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी के साथ भाजपा में जो हुआ है, वही गुजरात में गुजरात के पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल के साथ हुआ है नितिन पटेल की व्यथा समझी जा सकती है और हमारे उनके प्रति सहानुभूति है कांग्रेस की यह प्रतिक्रिया नितिन पटेल के उस बयान के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा के पास रेस के घोड़े हैं अगर किसी को शादी में नाचनेवाले घोड़े चाहिए तो कांग्रेस वालों को बुलवा लें गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा कि भाजपा में फिलहाल तीन गुट हैं पहले वर्षों पुराने नीव के कार्यकर्ता हैं, जो लगातार अपमान और अवगणना बर्दाश्त कर रहे हैं दूसरा गुट मंत्री और संत्री का है, जो कोन्ट्रेक्ट, खनिज चोरी, तबादला, पदोन्नति में मलाई खाता है जबकि तीसरा गुट दलबदलुओं का है जो सत्ता में बैठकर मजे कर रह है तीनों गुटों में सत्ता की खींचतान से नितिन पटेल दुखी हैं और उनकी व्यवस्था समझी जा सकती है कांग्रेस को नितिन पटेल के प्रति सहानुभूति है उनके साथ जो व्यवहार किया जा रहा है वह दुखद है मनीष दोशी ने कहा कि भाजपा की नीति हमेशा से पुराने और नीव के कार्यकर्ताओं का अपमान और अवहेलना करने की रही है राष्ट्रीय स्तर पर लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी के साथ जो हुआ वही गुजरात में नितिन पटेल का साथ हुआ है नितिन पटेल की यह व्यथा एक सार्वजनिक कार्यक्रम में सामने आई नितिन पटेल ने भले ही राहुल गांधी के बयान को लेकर व्यंगात्मक बयान दिया हो, लेकिन वह भी जानते हैं कि भाजपा में उन्हें साइडलाइन कर दिया गया है नए लोगों को मंत्री और साहब कहना और नमस्ते करना पड़ता है ज्यादातर दलबदलुओं को जो स्थान मिला है और वह सत्ता पर काबिज हैं, उनके खिलाफ नितिन पटेल का छिपा आक्रोश है

ट्रक और बस के बीच भीषण दुर्घटना में 6 लोगों की मौत, 10 घायल

आणंद (ईएमएस) सोमवार की सुबह दुखद खबर लेकर आई है अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस वे पर आणंद के निकट ट्रक और लक्जरी बस के बीच भीषण हादसा हुआ जिसमें 6 लोगों की मौत हो गई है बताया जाता है कि हादसे में मरने वालों की संख्या अभी बढ़ सकती है जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस वे पर आणंद के चिखोदरा के निकट ट्रक का टायर अचानक फट गया और उसके बाद बेलगाम हुए ट्रक ने निजी ट्रावेल्स कंपनी की लक्जरी बस को टक्कर मार दी ट्रक की टक्कर लगने के बाद बस ने रोड डिवाडर पर बैठे यात्रियों को रौंद दिया इस भीषण हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई जबकि 10 जितने लोग बुरी तरह घायल हो गए घटना में घायलों को तत्काल इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया गया। जिसमें 8 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है घटना की सूचना मिलते ही आणंद फायर ब्रिगेड और ग्रामीण पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई और आगे की कार्यवाही शुरू कर दी बस में सवार यात्री वडोदरा से अहमदाबाद की ओर जा रहे थे और इसमें ज्यादातर राजस्थान के निवासी होने का पता चला है

किशोर ने अश्लील वीडियो युवतियों को बताकर किए गंदे इशारे, पुलिस ने किया गिरफ्तार

सूरत (ईएमएस) शहर के जहांगीरपुरा क्षेत्र में एक किशोर ने डभोली ब्रिज पर बैठी एक किशोरी और दो युवतियों को मोबाइल में अश्लील वीडियो दिखाते हुए गंदे इशारे किए युवतियों की शिकायत के आधार पर जहांगीरपुरा पुलिस ने किशोर को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है जानकारी के मुताबिक सूरत के जहांगीरपुरा क्षेत्र के डभोली जहांगीरपुरा ब्रिज पर रात करीब 10 बजे एक किशोरी और दो युवतियों समेत अन्य तीन परिवार भी बैठे हुए थे उस वक्त एक किशोर युवतियों के आसपास चक्कर काट रहा था कुछ देर बाद युवतियों के पास बैठे अन्य परिवार के लोग चले गए

हाईकोर्ट का सूरत कृषि बाजार की जमीन पर बनी होटल-दुकानें हटाने का सरकार को आदेश

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात हाईकोर्ट ने सूरत में कृषि बाजार की जमीन पर बनी फाइव स्टार होटल को हटाने का आदेश दिया है साथ ही कृषि बाजार की जमीन पर होटल बनाए जाने को लेकर सूरत एपीएमसी को भी कड़ी फटकार लगाई है हाईकोर्ट ने आदेश के मुताबिक दो महीने में कार्यवाही कर एक्शन टेकन रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है दरअसल सूरत में कृषि बाजार की जमीन पर फाइव स्टार होटल, ऑफिसें, दुकानें और शो रूम बना देने के मामले में गुजरात हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई थी याचिका पर सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से दलील दी गई कि गैरकानूनी कब्जेदारों की लीज रद्द करने की नोटिस जारी कर दी गई है साथ ही सरकार की ओर से हाईकोर्ट में दलील दी गई कि नोटिस जारी किए जाने के बाद शो रूम और दुकानें खाली नहीं की जा रही हांलाकि सरकार की दलील का सूरत एपीएमसी ने विरोध किया और कहा कि कोर्ट के आदेश में संशोधन करने के लिए हमने याचिका दायर की है हाईकोर्ट ने फिलहाल आदेश में संशोधन करने से साफ इंकार कर दिया और जमीन खाली कराने का सूरत एपीएमसी को आदेश दिया है एपीएमसी की इस दलील को भी हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया कि सरकार जमीन की मालिक नहीं है हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि सरकार ने यह जमीन कृषि बाजार के लिए आवंटित की थी, लेकिन उसका दुरुपयोग कर फाइव स्टार, दुकानें इत्यादि बना दी गई हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि हमने सरकार को जमीन खाली कराने के आदेश दे दिए हैं और उसमें एपीएमसी हस्तक्षेप नहीं कर सकती याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि सरकार ने इस होटल भवन का मूल्यांकन करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है और मूल्यांकनकर्ता रिपोर्ट, सर्वेक्षक रिपोर्ट में अन्य लोगों को नुकसान से बचाने के लिए चिंता भी व्यक्त की गई थी हाईकोर्ट ने सवाल किया कि बाजार समिति को क्यों शामिल किया गया है? खंडपीठ ने बाजार समिति के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया है गुजरात हाईकोर्ट में इस मामले पर अगली सुनवाई 16 सितंबर को होगी

नाचने वाला घोड़ा चाहिए हो तो कांग्रेस वालों को बुला लेना...नितिन पटेल का तंज

अहमदाबादः लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के गुजरात दौरे के बाद राज्य में राजनीति गरमाई हुई है। कांग्रेस पार्टी 1 अगस्त से 15 अगस्त के बीच न्याय यात्रा निकालने की तैयारी कर रही है। ऐसी संभावना व्यक्त की जा रही है कि इस यात्रा में मोरबी, सूरत, वडोदरा और राजकोट को कवर किया जाएगा। इन चारों शहरों में चार बड़ी घटनाएं हुई थीं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार इन घटनाओं के पीड़ितों के संपर्क में है और कुछ से मुलाकात भी कर चुके हैं। राहुल गांधी ने पिछले दौरे में कहा था कि इंडिया अलायंस राज्य में बीजेपी को हराएगा। राहुल गांधी ने कहा था पार्टी मजबूत चेहरों पर दांव खेलेगी। उन्होंने कहा था कि दो प्रकार के घोड़े होते हैं एक रेस वाला घोड़ा और दूसरा शादी का घोड़ा। कांग्रेस अभी तक शादी वाले घोड़े को रेस में और रेस वाले घोड़े को शादी में उतार देती थी, लेकिन पार्टी अब यह गलती नहीं करेगी। लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस के रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के इस बयान पर पूर्व डिप्टी सीएम नितिन पटेल ने तंज कसा है।

नितिन पटेल ने कहा है कि कांग्रेस का नाम लिए बगैर तंज कसा है कि एक पार्टी के नेता ने कहा कि दो प्रकार के घोड़े होते हैं। एक रेस का घोड़ा और एक शादी का घोड़ा। नितिन पटेल ने कहा कि मैं नहीं कह रहा हूं। ये उस पार्टी के नेता (राहुल गांधी) ने कहा है। नितिन पटेल ने मंच पर उपस्थित महेसाणा से जीते सांसद हरिभाई पटेल का जिक्र करते हुए कहा कि बीजेपी में सिर्फ और सिर्फ हरीभाई जैसे रेस में दौड़ाने वाले घोड़े हैं। अगर किसी को शादी में दूल्हे को ले जाना हो तो वह कांग्रेस से नाचने वाले घोड़े को बुला सकते हैं। राज्य में लंबे वक्त तक मंत्री और वित्त मंत्री रहने के बाद डिप्टी सीएम रहे नितिन पटेल के बयान पर विवाद भी शुरू हो गया है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता अमित नायक ने पटेल पर पटलवार किया है। नायक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि आपआदरणीय और अनुभवी हैं। आप नेता कहा कि अगर नाचता घोड़ा चाहिए तो कांग्रेस वालों ने बुला लेना। नायक ने लिखा है कि थोड़ी स्पष्टा करो कि अगर बच्चों को मनोरंजन के लिए रिमोट कंट्रोल से चलने वाले घोड़े की जरूरत हो तो क्या वे कमलम (बीजेपी दफ्तर) से संपर्क कर सकते हैं।

चांदीपुरा रोग से डरने नहीं बल्कि सतर्क रहने की जरूरत : स्वास्थ्य मंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने कहा कि चांदीपुरा रोग से डरने की बल्कि सतर्क रहने की जरूरत है आमतौर पर बरसात के मौसम में देखी जाने वाली चांदीपुरा बीमारी 9 महीने से 14 साल की उम्र के बच्चों में देखने को मिलती है। यह रोग रोगवाहक संक्रमित रेत मक्खी के काटने से होता है। स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेष पटेल ने कहा है कि चांदीपुरा वायरल इंसेफेलाइटिस बीमारी से घबराने की जरूरत नहीं है बल्कि सावधान रहने की जरूरत है यह कोई नई बीमारी नहीं है, यह आमतौर पर बरसात के मौसम में देखी जाती है और वह भी खासकर ग्रामीण इलाकों में। तेज़ बुखार, उल्टी दस्त, सिरदर्द और ऐंठन इस बीमारी के मुख्य लक्षण हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने बच्चों में ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सीय सलाह लेने का अनुरोध किया है ऋषिकेश पटेल ने बताया कि राज्य में अब तक चांदीपुरा के 12 संदिग्ध मामले सामने आए हैं। जिनमें से 6 मरीजों का फिलहाल इलाज चल रहा है साबरकांठा जिले में 4, अरवल्ली जिले में 3, महिसागर और खेड़ा जिलों में एक-एक, जबकि राजस्थान के 2 मरीज और मध्य प्रदेश के एक मरीज, जिन्होंने गुजरात में इलाज कराया, इन सभी को मिलाकर कुल 12 संदिग्ध मामले सामने आए हैं। इन सभी के सैंपल जांच के लिए पुणे की लैब में भेजे गए हैं, जिनमें औसतन 12 से 15 दिन में नतीजे आ जाते हैं।

मुख्यमंत्री ने अपने जन्मदिन पर अडालज त्रिमंदिर में दर्शन-अर्चन कर दिन की शुरुआत की

गांधीनगर (ईएमएमस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल आज यानी सोमवार सुबह अपने जन्मदिन के अवसर पर अडालज त्रिमंदिर पहुंचे। उन्होंने दादा भगवान मंदिर में दर्शन-अर्चन कर दिन के कार्यों की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने त्रिमंदिर परिसर में पूज्य दादा भगवान और पूज्य नीरू मां की समाधि पर शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके साथ ही उन्होंने देवी-देवताओं के दर्शन किए तथा शिव मंदिर में जलाभिषेक किया। मुख्यमंत्री ने अपने जन्मदिन के अवसर पर राज्य के सभी लोगों के स्वास्थ्य, कल्याण, समृद्धि तथा राज्य के समग्र एवं अविरत विकास के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में मौजूद दर्शनार्थियों का गर्मजोशी से भरा अभिवादन भी स्वीकार किया।

उमरपाडा में 4 घंटों में 10 इंच बारिश, राज्यभर में भारी बारिश का पूर्वानुमान

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्यभर में खासकर दक्षिण गुजरात में भारी बारिश हो रही है दक्षिण गुजरात में आज सुबह से जबर्दस्त बारिश हो रही है सूरत जिले के उमरपाड़ा में 4 घंटे में 10 इंच बारिश होने से चारों ओर पानी पानी ही नजर आ रहा है दक्षिण गुजरात के ज्यादातर इलाकों में भारी बारिश हो रही है वहीं भरूच के नेत्रंग में साढ़े 5 इंच बारिश हुई है अत्यधिक भारी बारिश के कारण उमरपाड़ा के गोंडलिया गांव से गुजरने वाली वीरा नदी उफान पर है गोंडलिया गांव में विरा नदी का निचले स्तर का पुल डूब गया है पुल पर पानी भरने से एक गांव से दूसरे गांव का सीधा संपर्क टूट गया है। भारी बारिश के कारण प्रशासन भी हरकत में आ गया है और बचाव कार्य भी शुरू कर दिया है भरूच के नेत्रंग में 5.5 इंच बारिश हुई है जानकारी के मुताबिक आज सुबह से ही 24 तालुकों में बारिश हो रही है जिसमें नर्मदा जिले के तिलकवाड़ा, नांदोद में डेढ़ इंच बारिश हुई। दूसरी ओर पिछले 24 घंटों की बात करें तो राज्य के 68 तहसीलों में बारिश हुई है अरवल्ली के मोडासा में 4 इंच, दाहोद जिले में 3 इंच, उपरपाड़ा, गोधरा, वीरपुर में 2.5 इंच, लूनावाड़ा, नांदोद और नीजर में 1 इंच जबकि बाकी तहसीलों में भी काफी बारिश हुई। आज सुबह 6 से 8 बजे के दौरान 35 तहसीलों में बारिश हुई नर्मदा के गरुड़ेश्वर में दो घंटे में 5.5 इंच बारिश हुई तिलकवाड़ा में 2 इंच बारिश हुई और बाकी तहसीलों में अच्छी बारिश हुई है। मौसम विभाग ने आज राज्य में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है गुजरात की ओर साइक्लोनिक सर्क्युलेशन सिस्टम सक्रिय होने से आज नवसारी, वलसाड, दमन में भारी बारिश का अनुमान है। पंचमहल, छोटाउदेपुर, सूरत और डांग में येलो अलर्ट घोषित किया गया है इसके साथ ही मछुआरों को अगले 4 दिनों तक समुद्र में हल न चलाने की हिदायत दी गई है

हार्दिक पंडया के रोड शो में उमड़ा प्रशंसकों की भीड़, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

वडोदरा (ईएमएस) टी-20 क्रिकेट वर्ल्डकप जीतने के बाद पहली बार वडोदरा पहुंचे हार्दिक पंडया का शानदार स्वागत हुआ मुंबई की तरह वडोदरा की सड़कों पर प्रशंसकों का सैलाब उमड़ पड़ा वडोदरा के मांडवी क्षेत्र से 6 बजे शुरू हुआ हार्दिक पंडया का रोड शो शहर के अकोटा-दांडिया बाजार ब्रिज सोलर पैनल के निकट खत्म होगा रोड शो को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए है इसके अलावा रोड शो के रूट में आनेवाले 20 जितने रास्तों को डायवर्ट कर दिया है

वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के चैंपियन बनने के बाद मुंबई पहुंचने पर सभी खिलाडियों का खुली बस में शानदार स्वागत किया गया था जिसके बाद आज वडोदरा के क्रिकेटर हार्दिक पंडया के आने पर खुली बस में उनके अभिनंदन का कार्यक्रम रखा गया आज मांडवी से शुरू हुए रोड शो में बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रशंसक मौजूद है हार्दिक पंडया टीम इंडिया की टी-शर्ट में खुली बस से अपने फैंस का हौसला बढ़ा रहे हैं

इस कार्यक्रम में 7 डीसीपी, 14 एसीपी, 50 पीआई, 86 पीआईएस, 1700 जवान, 1 हजार होम गार्ड और 3 एसआरपी की टुकड़ियां तैनात की गई है सड़क के दोनों तरफ क्रिकेट प्रेमियों के हाथों में अलग-अलग तरह के बैनर नजर आ रहे हैं जिसमें हार्दिक पंडया की तारीफ की गई है शाम 5 बजकर 40 मिनट पर हार्दिक पंडया अपने आवास से खुद गाड़ी चलाकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे वडोदरा के मांडवी से शुरू हुआ रोड शो शहर के लहरीपुरा दरवाजा, न्याय मंदिर, फायर ब्रिगेड चौराहा, दांडिया बाजार होते हुए महारानी नर्सिंग होम चौराहे से अकोटा-दांडिया बाजार ब्रिज सोलर पैनल के निकट संपन्न होगा हार्दिक पंडया टीम इंडिया की टी-शर्ट में खुली बस से अपने फैंस का हौसला बढ़ा रहे हैं

17 से 25 जुलाई तक साबरमती-दौलतपुर चौक एक्सप्रेस सिद्धपुर स्टेशन पर नहीं रुकेगी

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर अहमदाबाद-पालनपुर सेक्शन के कामली-सिद्धपुर-धारेवाड़ा स्टेशनों के बीच डबल लाइन कार्य के चलते साबरमती-दौलतपुर चौक एक्सप्रेस ट्रेन सिद्धपुर स्टेशन पर नहीं रुकेगी। जो इस प्रकार है:

ट्रेन संख्या 19411/19412 साबरमती-दौलतपुर चौक-साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन 17 जुलाई 2024 से 25 जुलाई 2024 तक सिद्धपुर स्टेशन पर नहीं रुकेगी।

ट्रेनों के ठहराव, मार्ग और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.iâian rail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

वडोदरा में इस्लाम की तारीफ, पढ़वाई नमाज और जामनगर के आगंनबाड़ी लगवाए याहुसैन के नारे : वीडियो वायरल

वडोदरा : गुजरात के जामनगर और वडोदरा में छात्रों को नमाज पढ़ाए जाने को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। दावा है कि जिलों के आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को नमाज पढ़ाई जा रही है। जामनगर में सोनलनगर आंगनवाड़ी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जिसमें एक कर्मचारी को छात्रों से ठया हुसैन, या हुसैन का नारा लगाने के लिए कहते हुए सुना जा सकता है। वीडियो में दिख रहा है कि छात्रों को नमाज अदा करने के तरीके के बारे में भी निर्देश दिए जा रहे हैं। उन्हें ईद की जानकारी भी दी जा रही थी। फुटेज ने हिंदुओं को क्रोधित कर दिया जिन्होंने महिला कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। जो वीडियो सामने आया है। यह उसी महिला ने बनाया है, जो हिंदू बच्चों को नमाज पढ़ा रही है। वहीं वडोदरा में बीजेपी विधायक ने भी कार्रवाई की मांग की है।

आंगनबाड़ी में महिला कर्मचारी बच्चों को ईद के बारे में बता रही है। वह इस्लाम की तारीफ करते सुनाई दे रही है। वह बच्चों को बता रही है कि ईद में बच्चों को कैसे मिठाई, बढ़िया खाना और नए कपड़े पहनने को मिलते हैं। वह बच्चों को ईद पर जल्दी उठने और नए कपड़े पहनने को कह रही है। इतना ही नहीं वह उन्हें कह रही है कि ईद के दिन वे अपने घरों में बिरयानी बनवाएं। इसके अलावा, वह उन्हें मस्जिदों में जाने और नमाज अदा करने के लिए भी प्रोत्साहित कर रही हैं।

महिला कर्मचारी ने छात्रों से या हुसैन, या हुसैन भी कई बार कहलवाया। वह बच्चों से पूछ रही है, 'ताजिया उठाते समय क्या कहा जाता है?' सभी छात्र उसके साथ या हुसैन- या हुसैन चिल्लाने लगते हैं। इस घटना ने हिंदुओं में भारी आक्रोश पैदा कर दिया है, जिन्होंने इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। खास बात है कि जिस महिला कर्मचारी ने यह सब करवाया, वह हिंदू है और उसका नाम इंदुबेन राठौर है। वह 21 साल से आंगनबाड़ी में काम कर रही है।

वायरल वीडियो में बच्चों को ईद मुबारक के बारे में सीखते हुए भी देखा गया। वायरल वीडियो, जिसके बारे में कहा गया कि यह 12 जुलाई को शूट किया गया था, में कुछ बच्चे अपने सिर को सफेद कपड़े से ढककर नमाज अदा करते और बाद में एक-दूसरे को गले लगाते हुए दिखाई दिए। बीजेपी विधायक शैलेश मेहता ने कहा, 'आंगनवाड़ी में इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती। गैर-मुस्लिम बच्चों से नमाज अदा करने के लिए क्यों कहा गया? आंगनवाड़ी ऐसी गतिविधियों के लिए नहीं हैं।' दक्षिणपंथी संगठन हिंदू सेना ने कहा कि जामनगर शहर के सोनल नगर इलाके में एक आंगनवाड़ी का ऐसा ही वीडियो सामने आया है, उसके खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की है।

अशोक लीलैंड को महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम से पूर्ण रूप से निर्मित 2104 बसों का सबसे बड़ा ऑर्डर मिला

15 जुलाई 2024, चेन्नईः हिंदुजा समूह की एक भारतीय प्रमुख कंपनी और देश की अग्रणी वाणिज्यिक वाहन निर्माता कंपनी अशोक लीलैंड ने आज घोषणा की है कि उसे महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) से वाइकिंग पैसेंजर बसों की 2104 इकाइयों (पूर्ण रूप से निर्मित) का सबसे बड़ा ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर अशोक लीलैंड को बस सेगमेंट में डॉमिनेंट पोजिशन बनाने में मजबूती प्रदान करेगा।

महाराष्ट्र राज्य परिवहन महामंडल (एमएसआरटीसी) देश में सबसे बड़ी राज्य परिवहन उपक्रमों में से एक है, जिसमें 15,000 से अधिक बसें हैं। इस ऑर्डर के साथ, अशोक लीलैंड बसें इसकी फ्लीट में सबसे ज्यादा रहेंगी।

अशोक लीलैंड के प्रबंध निदेशक और सीईओ श्री शेनू अग्रवाल ने कहा, 'हम महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) के साथ अपनी दीर्घकालिक साझेदारी को जारी रखने के लिए उत्साहित हैं। यह नया ऑर्डर अत्यधिक कुशल और तकनीकी रूप से उन्नत उत्पादों को निर्मित करने के प्रति हमारे समर्पण को रेखांकित करता है, जो देश में सार्वजनिक परिवहन के विकास को बढ़ावा देता है। हमारे ग्राहकों को लेकर हमारी गहरी समझ और उनकी जरूरतों पर तुरंत प्रतिक्रिया देने की हमारी क्षमता ही हमें दूसरों से अलग बनाती है।'

4.5 करोड़ रुपये के ई-टिकट रैकेट का भंडाफोड़, सॉफ्टवेयर सप्लायर गिरफ्तार

सूरत में 4.50 करोड़ के ई-टिकट रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। ऑनलाइन टिकट घोटाले में एक और गिरफ्तारी हुई है। ई-टिकट रैकेट में एक ट्रैवल एजेंट पकड़ा गया। पायरेटेड सॉफ्टवेयर से तत्काल रेलवे टिकट बनाने के मामले में हुई है गिरफ्तारी। यह सॉफ्टवेयर पांच -पांच हजार रुपये लेकर छह लैपटॉप में इंस्टॉल किया गया था। सिटी लाइट स्थित एक एजेंट के फ्लैट से मुंबई आरपीएफ टीम ने ई टिकट रैकेट का भंडाफोड किया था।

एजेंट राजेश मित्तल के लैपटॉप में पायरेटेड सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करने वाले शख्स को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। उमरा पुलिस ने सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करने वाले राजू युवराज पंडित को गिरफ्तार कर लिया है। राजू युवराज ने राजेश मित्तल के लैपटॉप में 5,000 रुपये में पायरेटेड सॉफ्टवेयर डाला था।

एकता ट्रैवल्स का मैनेजर इसी सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर अवैध रूप से ई-टिकट बुक करता था। मूल रूप से झारखंड के रहने वाले और वर्तमान में सूरत शहर के गोडादरा इलाके में रहने वाले राजू युवराज पंडित को उमरा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उमरा पुलिस के मुताबिक, यह सॉफ्टवेयर राजू ने राजेश मित्तल को सप्लाई किया था। यह एक टिकट बुकिंग सॉफ्टवेयर है, जिसे छह लैपटॉप में इंस्टॉल कर प्रति सॉफ्टवेयर 5 हजार रुपये के साथ कुल 30 हजार प्रति माह मिलते थे। इतना ही नहीं, राजू पंडित 1000 रुपये मासिक किराया वसूल रहा था। उमरा पुलिस ने इस बात की जांच शुरू कर दी है कि इस सॉफ्टवेयर बिक्री में राजू के साथ और कौन लोग शामिल हैं।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट एक बार फिर एलन चैम्प के माध्यम से करेगा देष की प्रतिभाओं का सम्मान

12 जुलाई 2024. देष के ख्यातनाम शिक्षण संस्थान एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड ने एलन चैम्प के नवें संस्करण की घोषणा की है। शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योग्यता रखने वाले विद्यार्थियों के सम्मान और प्रोत्साहन के लिए एलन चैम्प की शुरुआत की गई है जो कि विद्यार्थियों का भविष्य संवारने के साथ उन्हें एक साथ आगे बढ़ने का अवसर देता है।

इस घोषणा होने के बाद रजिस्ट्रेशन के लिए स्टूडेंट्स में उत्साह है। एलन चैम्प कक्षा 3 से 10 तक के विद्यार्थियों के लिए है, देष के किसी भी स्कूल के विद्यार्थी शामिल हो सकते हैं। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन निशुल्क है, जिसकी अंतिम तिथि 31 जुलाई है। इसके लिए अलग से किसी परीक्षा का प्रावधान नहीं है। षैक्षणिक रिकॉर्ड जैसे कि प्रतियोगी परीक्षा, इवेंट, नेषनल या इंटरनेशनल लेवल के ओलिम्पियाड में प्रदर्शन के आधार पर हर कक्षा के टॉप–10 मेधावी बच्चों का चयन किया जाता है। इसके आधार पर इन्हें चैम्पियंस–डे पर कोटा बुलाया जाता है। इसके बाद उनकी बहुआयामी प्रतिभा लीडरषिप क्वालिटी, पर्सनालिटी, एप्टीट्यूड एवं अन्य प्रतिभाओं को परखा जाता है। इसके आधार पर हर कक्षा में टॉप–10 रैंक दी जाती है और पुरस्कृत किया जाता है।

कलाकारों ने गुरू पूर्णिमा पर अपने गुरूओं को दिया सम्मान!

गुरु पूर्णिमा उन गुरुओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक अवसर होता है, जिन्होंने हमें ज्ञान देने और जीवन के मूल्यों को सिखाने में महत्वपूर्ण योगदान किया है। इस पावर अवसर पर, एण्डटीवी के कलाकारों ने अपने गुरूओं के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उनकी जिंदगी को उल्लेखनीय रूप से प्रभावित किया है। इन कलाकारों में शामिल हैं – राहुल जे